पटना ● गुरुवार, 31 अक्टूबर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः289 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR
BNM to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र
RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

आधुनिकता के स्याह अंधेरे में गुम ... 3 www. bordernewsmirror.com अवनीत कौर ने स्टायलिश... 7

दीपावली के पावन पर्व की मंगलमय शुभकामनाएं

दीपावली के पावन पर्व के शुभ अवसर पर गुरुवार, 31 अक्टूबर 2024 को कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतःअखबार का अगला अंक 02 नवंबर 2024 को प्रकाशित होगा। सभी पाठकों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं। सं.

आज अयोध्या आएंगे श्रीराम, महालक्ष्मी योग में मनेगी दीवाली

दोपहर बाद पूजा के 6 मुहूर्त, समृद्धि देने वाले 4 राजयोग बनेंगे

उज्जैन (एजेंसी)। कल 31 अक्टूबर को अमावस्या शाम 4 बजे के बाद शुरू होगी और 1 नवंबर को शाम तक रहेगी। इस कारण देश में ज्यादातर जगह 31 अक्टूबर को दीपावली मनेगी। इस दिन कई ऐसे योग भी बन रहे हैं, जो लक्ष्मी पूजन से लेकर नए कामों की शुरुआत के लिए शुभ रहेंगे। पंडितों का मानना है कि दीपावली पर शाम को समृद्धि देने वाले 4 राजयोग बनेंगे। शश, कुलदीपक, शंख और लक्ष्मी योग बनने से इस महापर्व का शुभ फल और बढ़ जाएगा। देश के प्रमुख ज्योतिषियों और पंचांगकारों की आज सभा हुई थी। इसमें भारतीय पंचांग और धर्मशास्त्र के मानक ग्रंथों पर मंथन कर तय किया गया कि 31 अक्टूबर को ही दीपावली और लक्ष्मी पूजन शास्त्रसम्मत है। ज्योतिषाचार्यों में बताया है कि कि अमावस्या तिथि 31 अक्टूबर दोपहर 3.30 बजे से चार बजे के बीच हो रहा है। अमवास्या तिथि पर प्रदोष काल में ही लक्ष्मी पूजन किया जाता है। इसके साथ निशीथ काल यानी मध्य रात्रि में काली पूजन किया जाता है। ये सभी काम 31 अक्टूबर को करना ही शास्त्र सम्मत है। वहीं, 1 नवंबर को भी प्रदोष काल तक अमावस्या तिथि रहेगी, लेकिन सूर्यास्त के बाद जितने समय तक अमावस्या रहनी चाहिए, वह नहीं है। ऐसे में एक नवंबर को दीपावली मनाना शास्त्रसम्मत नहीं है। दीपावली की

कार्तिक अमावस्या की रात साधनाएं जल्दी फलित करने वाली मानी जाती है। इसका कारण है कि इस रात दैवीय और आसुरी दोनों शक्तियां सजीव होती हैं। ऐसे में इस रात मंत्र सिद्ध करने और तांत्रिक क्रियाएं की जाती हैं। तांत्रिक अवने इष्ट का आह्वाहन करते हैं। जब चंद्रमा और सूर्य के बीच जीरो डिग्री का अंतर हो जाता है, तब अमावस्या होती है। इस अवस्था में चंद्रमा का प्रकाश पृथ्वी पर नहीं आता है।

महाराष्ट्र में भाजपा ने 12 सीटों पर कर दिया 'खेला'

बीजेपी के खेल की चुनाव बाद के समीकरण पर होने लगी चर्चा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में उलझने बेशुमार हैं। कभी राज्य में 4 दल हुआ करते थे, अब उनमें से ही दो में ऐसी टूट हुई है कि 6 पार्टियां बन चुकी हैं। यही नहीं इसके चलते चुनाव के बाद भी जटिल स्थिति पैदा हो सकती है। इसकी वजह यह है कि 6 दलों में से किसी एक को भी पूर्ण बहुमत मिलने के आसार कम ही हैं। ऐसे में गठबंधन सरकार ही बनेगी और चुनाव बाद स्थिति रोचक हो सकती है। खासतौर पर सीएम फेस को लेकर जो जद्दोजहद मचेगी, उसमें सीटों की संख्या मायने रखेगी। इस लिहाज से भाजपा शायद पहले से ही सतर्क है और उसने एक ऐसा दांव चल दिया है, जिसकी अभी से चर्चा होने लगी है। भाजपा ने कुल 148 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि अपने 12 नेताओं को एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी से टिकट दिला दिया है। दरअसल भाजपा के रणनीतिकारों का कहना था कि वे हर हाल में 160 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। इसे लेकर महायुति में लंबी खींचतान हुई और अंत में जो समझौता हुआ, वह सबको हैरान करने वाला है। भाजपा के 8 नेताओं को एकनाथ शिंदे की शिवसेना से टिकट मिल गया है और 4 पर अजित पवार की एनसीपी से मिला है।

जैसे त्रेतायुग लौट आया हो, अयोध्या में दिखा दीपोत्सव का भव्य नजारा

28 लाख दीयों से जगमग हुई अयोध्या, नया रिकॉर्ड बना, भव्य आयोजन

स्वागत के बाद निकाली शोभायात्रा, कई राज्यों के कलाकारों ने लिया हिस्सा

अयोध्या (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को भव्य दीपोत्सव समारोह का शुभारंभ किया। उन्होंने दीप जलाकर दीपोत्सव के भव्य आयोजन को शुरुआत दी। इसके बाद दीपों की जगमग से सरयू घाट रोशन हो गया। लेजर शो और होलोग्राम थ्रीडी के सहयोग से राम की महिला का चित्रण किया गया। इससे पहले अयोध्या पहुंचे श्री राम, सीता और लक्ष्मण का स्वागत किया। नवनिर्मित राम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के बाद राम नगरी में पहली बार दीपोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। श्रीराम के सीता और लक्ष्मण हनुमान और अन्य लोगों के साथ पुष्पक विमान (हेलीकॉप्टर) से अयोध्या पहुंचने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य ने उनका स्वागत किया। भगवान राम के रथ को मुख्यमंत्री और अन्य लोगों ने राम दरबार स्थल तक खींचकर पहुंचाया। आदित्यनाथ ने बाद में उनकी आरती उतारी। बुधवार को शहर में उत्सव का माहौल रहा। छोटी दीपावली के अवसर पर अयोध्या में बुधवार को भव्य दीपोत्सव समारोह के तहत झांकियों की एक शोभायात्रा निकाली गई। रामायण के प्रसंगों को दर्शाती झांकियों में देशभर के शास्त्रीय नर्तकों की प्रस्तुति ने राम पथ पर अपना जादू बिखेरा। भगवान राम के स्वागत में जगह-जगह कलाकार नृत्य करते नजर आए। रामायण के प्रसंगों पर आधारित झांकियां सड़कों पर निकाली गईं। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद यह पहला दीपोत्सव है। सीएम योगी ने कहा- ये दीप जो आपके द्वारा जलाए जाएंगे, वो केवल दीप नहीं हैं, ये सनातन धर्म का विश्वास है। अयोध्यावासियों को आगे आना होगा। अयोध्या जैसी मथुरा-काशी दिखनी चाहिए। सनातन धर्म ने कभी किसी का अहित नहीं किया, सबको गले से लगाया। जो भी मानवता के मार्ग में बैरियर बनेगा, उसकी वही दुर्गति होनी है, जो यूपी के माफियाओं की हुई। वहीं, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा- 1528 में मीर बाकी ने भगवान राम के मंदिर को तोड़ा, तब से भारत के सौभाग्य का सूर्य अस्त हो गया। तब से लेकर हम निरंतर पतन के रास्ते पर चलते हुए उस मुकाम पर आ गए थे कि भारत की पहचान पूरे विश्व में भूली-बिसरी हो गई थी। राम मंदिर के निर्माण से भारत का सूर्य फिर उदय हो गया है। सड़कों पर जगह-जगह झांकियां हैं। कलाकार नृत्य कर रहे हैं। मराठी आर्टिस्ट ने सड़क पर शिवाजी का झंडा लहराया। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद यह पहला दीपोत्सव है। आयोजन को खास बनाने के लिए सीएम योगी अयोध्या पहुंच गए हैं। देशभर से भक्त अपने भगवान का स्वागत करने के लिए अयोध्या पहुंच चुके हैं। पूरा माहौल राम मय हो चुका है। राम मंदिर में खास रंगोली बनाई गई।

भारत-चीन बॉर्डर पर सैनिकों के हटने का प्रोसेस हुआ पूरा

- दीवाली से पहले डेमचोक-देपसांग में पीछे हटे सैनिक
- अब दोनों देश की तरफ से शुरू हो जाएगी रेगुलर गश्त
- आज दीवाली पर एक-दूसरे को मिठाई खिलाएंगे सैनिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-चीन बॉर्डर पर डेपसांग और डेमचोक में दोनों सैनिकों के पीछे हटने की प्रक्रिया बुधवार को पूरी हो गई। गुरुवार को दिवाली पर चीन और भारत के सैनिक एक-दूसरे को मिठाई खिलाएंगे। पेट्रोलिंग को लेकर जल्द ही ग्राउंड कमांडर के अधिकारियों के बीच बातचीत होगी। ग्राउंड कमांडर में ब्रिगेडियर और उससे नीचे के रैंक के अधिकारी होते हैं। भारत-चीन के बीच एलएसी पर पेट्रोलिंग को लेकर हुए समझौते पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 27 अक्टूबर को कहा था कि सैनिकों की वापसी पहला कदम है। अगला कदम तनाव कम करना है। ये तनाव तभी कम होगा, जब भारत को यकीन हो जाए कि चीन भी ऐसा ही चाह रहा है। तनाव कम करने के बाद, बॉर्डर को कैसे मैनेज किया जाए, इस पर चर्चा की जाएगी। भारत-चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में चार साल से सीमा विवाद को लेकर तनाव था। दो साल की लंबी बातचीत के बाद पिछले दिनों एक समझौता हुआ है। दोनों सेनाएं विवादित पॉइंट्स देपसांग और डेमचोक से पीछे हटेंगी। 18 अक्टूबर को देपसांग और डेमचोक से पीछे हटने की जानकारी सामने आई थी।

बेंगलुरु में चार दिन रुके ब्रिटेन के राजा चार्ल्स

रानी कैमिला के साथ चुपचाप हुए विदा, गुप्त था ये दौरा

बेंगलुरु (एजेंसी)। ब्रिटेन के राजा चार्ल्स और उनकी पत्नी क्वीन कैमिला ने हाल ही में बेंगलुरु का दौरा किया। वे लगभग चार दिन तक दक्षिण भारतीय राज्य कर्नाटक की राजधानी में रुके थे। बताया जा रहा है कि ब्रिटेन के राजा और रानी ने बेंगलुरु के बाहरी इलाके में स्थित एक शानदार वेलनेस रिट्रीट, सावक्या इंटरनेशनल होलिस्टिक हेल्थ सेंटर में चार दिन बिताए। यह उनका निजी दौरा था जहां उन्होंने इस रिट्रीट सेंटर में अपना स्वास्थ्य उपचार कराया। यह यात्रा किंग चार्ल्स के सिंहासन संभालने के बाद उनकी पहली भारत यात्रा थी। रिपोर्ट के मुताबिक, किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला 27 अक्टूबर को समोआ देश में आयोजित 2024 राष्ट्रमंडल सरकारों के प्रमुखों की बैठक में भाग लेने के बाद सीधे बेंगलुरु पहुंचे थे। उनकी यह यात्रा पूरी तरह निजी थी और इसमें उन्होंने किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम या बैठक में हिस्सा नहीं लिया। बता दें कि ब्रिटेन के राजा चार्ल्स कैंसर से पीड़ित हैं। 5 फरवरी, 2024 को बकिंघम पैलेस ने एक बयान जारी कर इसकी पुष्टि की थी। कैंसर डायग्नोस होने के बाद चार्ल्स की यह पहली अंतरराष्ट्रीय यात्रा है। कहा जा रहा है कि इसी संबंध में उन्होंने वेलनेस रिट्रीट के लिए इसका दौरा किया और अपना इलाज कराया। सावक्या की वेबसाइट के मुताबिक यह 30 एकड़ का ऑर्गेनिक फार्म है। यहां प्राकृतिक चिकित्सा मिलती है।

सावधान! साइबर अपराधियों के निशाने पर भारत

- हो सकते हैं 17 ट्रिलियन हमले, बांग्लादेश हो चुका है शिकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश पर साइबर हमलों के लगातार बढ़ते खतरे को लेकर विशेषज्ञों ने गंभीर चिंता व्यक्त की है। मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में आगाह किया गया कि अगर इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो 2033 तक भारत पर एक ट्रिलियन साइबर हमले हो सकते हैं। इसके अलावा, 2047 में आजादी के 100

वर्ष पूरे होने तक यह संख्या 17 ट्रिलियन तक पहुंच सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, गैर-लाभकारी संस्था प्रहार द्वारा जारी की गई रिपोर्ट 'द इनविजिबल हैंड' में साइबर चुनौतियों का जिक्र किया गया है। रिपोर्ट में देश के महत्वपूर्ण ढांचे पर होने वाले हमलों और नागरिकों के दुरुपयोग की संभावनाओं पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। 2023 में भारत ने 79 मिलियन से अधिक साइबर हमलों का सामना किया था, जो पिछले वर्ष की तुलना में 15 फीसदी अधिक थे और यह संख्या 2024 के पहले तीन महीनों में 500 मिलियन तक पहुंच गई। हाल के आंकड़ों के अनुसार, 2024 की दूसरी तिमाही में साइबर हमलों में 46 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

पूर्व सीएम जगनमोहन और बहन शर्मिला में गहराया संपत्ति विवाद

मां ने दिया बेटी का साथ, बोलीं-बेटी के साथ नाइंसाफी हुई, मेरे लिए सभी बच्चे बराबर

विजयवाड़ा (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वायएसआर कांग्रेस चीफ जगन मोहन रेड्डी और उनकी बहन एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष वाईएस शर्मिला के बीच संपत्ति का विवाद गहरा गया है। दोनों भाई बहन के बीच विरासत में मिली करोड़ों की संपत्ति को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। अब उनकी मां और दिवंगत मुख्यमंत्री वाई एस राजशेखर रेड्डी की पत्नी विजयम्मा ने एक खुला पत्र लिखकर बेटी शर्मिला का साथ दिया है। अपनी चिट्ठी में विजयम्मा ने कहा है कि यह उनका फर्ज है कि उस बच्चे के लिए आवाज उठाएं, जिसके साथ अन्याय हुआ है। विजयम्मा ने अपनी चिट्ठी में लिखा है कि बतौर एक मां जिस बच्चे के साथ अन्याय हुआ है, उसके लिए आवाज उठाना मेरा फर्ज बनता है। उन्होंने आगे लिखा, परिवार में ये सब होते देखना मेरे लिए बहुत दर्दनाक है। मेरे दिवंगत पति राजशेखर रेड्डी, हमारे बच्चे और मैं एक खुशहाल परिवार में थे। मैं यह समझने में लाचार हूं कि हमारा परिवार आखिर ऐसी कठिनाइयों का सामना क्यों कर रहा है। इसे रोकने की कोशिशों के बावजूद, बदकिस्मती से सब घटनाएं मेरी आंखों के सामने घटित हो रही हैं। मां की फर्ज वाली चिट्ठी के जवाब में जगन मोहन रेड्डी की तरफ से उनकी पार्टी वाईएसआर कांग्रेस ने भी एक खुला पत्र जारी किया है और आरोप लगाया है कि मां विजयम्मा तटस्थ नहीं हैं। जगन रेड्डी के नेतृत्व वाली पार्टी ने कहा कि विजयम्मा ने आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले और बाद में शर्मिला और कांग्रेस का समर्थन किया है। बता दें कि इसी साल हुए विधानसभा चुनावों में जगन मोहन रेड्डी की पार्टी की हार हुई थी, जिसकी वजह से टीडीपी के चंद्रबाबू नायडू फिर से सत्ता में लौट सके। वायएसआर ने यह भी आरोप लगाया है कि वाईएस शर्मिला उस पार्टी में शामिल हुई, जिसने जगन रेड्डी को जेल में डाला था। विजयम्मा ने खुली चिट्ठी में अपने परिवार के बारे में फैलाए जा रहे निराधार दावों की निंदा की है और कहा कि इसे रोका जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ये न तो मेरे बच्चों के लिए अच्छा है, न ही राज्य के लिए। उन्होंने चिट्ठी लिखने से पहले अपनी दुविधा के बारे में भी लिखा है और कहा है,मैं इस बारे में बात करने में झिझक रही थी, लेकिन अब वक्त की मांग ही ऐसी है कि मुझे सामने आना पड़ रहा है।

चालबाज है चीन, एलएसी पर नजर रखेगा भारत

- सीमा पर तैनात करेगा 'जोरावर', चीते जैसी है रफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) तथा लार्सन एंड टूब्रो द्वारा संयुक्त रूप से विकसित हल्के टैंक जोरावर के ऊंचे क्षेत्रों में परीक्षण जल्द शुरू होंगे। सेना ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। ये टैंक चीन से मुकाबले के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए हैं। इन्हें एलएसी पर तैनात किया जाना है। टैंक के पहले चरण के परीक्षण पिछले माह हो चुके हैं तथा अब ऊंचे और ठंडे इलाकों में परीक्षण होने हैं। आमतौर पर टैंकों का वजन 40-50 टन के बीच होता है। भारत के पास जो टैंक सर्वाधिक इस्तेमाल हो रहे हैं, उनमें टी-72 का 41 टन और टी-90

का 46 टन वजन है। जोरावर का वजन 25 टन से भी कम है। इससे इन्हें न सिर्फ ऊंचे इलाकों में तैनात करना आसान है, बल्कि प्रदर्शन भी बेहतर हो जाता है। चीन ने एलएसी के निकट इसी प्रकार के हल्के टैंक तैनात कर रखे हैं जिसका अहसास भारत को 2020 में हुए टकराव के दौरान हुआ। डीआरडीओ और एलएंटी को ऐसे 354 टैंकों के निर्माण का कांट्रेक्ट दिया गया था। बीते सितंबर में राजस्थान के मरुस्थलीय इलाके में इसके पहले चरण के परीक्षण किए गए हैं जो सफल रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

महिला का 13 हजार का सामान लेकर फरार ऑटो चालक

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर के नगर थाना क्षेत्र के गोला रोड में दिवाली की सामान की खरीदारी करने आई महिला का सारा समान लेकर ऑटो चालक फरार हो गया। महिला ने घर के राशन की खरीदारी की थी। करीब 13,000 का समान लेकर घर जाने की तैयारी कर रही थी। समान ज्यादा होने के कारण वह ऑटो को बुक की थी। लेकिन ऑटो वाले ने उसके साथ धोखाधड़ी कर दी। निर्मला देवी मूल रूप से उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर की रहने वाली जो 9 महीने से अपने पति के साथ मुजफ्फरपुर के गोबर्शाही चौक पर किराया के मकान में रहती है। महिला क पति शहर में गोलगप्पा का कारोबार करता है। महिला दिवाली और छठ को लेकर अपने पति के साथ घर कि खरीदारी करने गई थी। बता दें कि महिला सामान लेकर ऑटो में रख दी। फिर वह मिर्च पावडर लेने लगी। इसके बाद ऑटो वाले ने महिला के पति को बोला कि जाइए उनको बुला कर ले आइए। महिला का पति उसको बुलाने गया और जब वास आया तो ऑटो वाला नहीं था। वहीं, पूरे मामले में नगर अपर थाना अध्यक्ष राजकुमार ने बताया कि महिला ने थाने में आवेदन दिया है। पुलिस आसपास में लगे सीसीटीवी को खंगाल रही है। ऑटो वाले की खोज में जुट गई है।

मुजफ्फरपुर में बिहार का दूसरा खादी मॉल खुला

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। धनतेरस पर उद्योग विभाग ने शहरवासियों को खादी मॉल की सौगात दी है। उद्योग विभाग के मंत्री नीतीश मिश्रा ने मंगलवार को शहर के गोशाला रोड के पी एंड टी चौक स्थित खादी मॉल का उद्घाटन किया। मंत्री ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद चरखा से सूत भी काटा। फिर मॉल में बने 50 से अधिक सेक्शन का भ्रमण और संचालकों से बातचीत की। मंत्री ने कहा कि यह बिहार का दूसरा खादी मॉल है, जहां खादी के साथ हैंडलूम व हैंडीक्रॉफ्ट जैसे उत्पाद भी मिलेंगे। इसके अलावा देसी हांडी दही और बैग भी उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि अब दूसरे जिलों में भी खादी मॉल खोलने की योजना है।

भव्य रंगोली कार्यक्रम

भागलपुर, एजेंसी। गोदावरी देवी सरस्वती शिशु मंदिर राजेंद्र कॉलोनी नवगछिया में दीपावली के शुभ अवसर पर बच्चों ने भव्य रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में कुल 10 समूह ने भाग लिया। जिसमें कुल 60 भैया-बहनों ने अपनी प्रतिभा को रंगोली के रूप में प्रस्तुत किया। इसके साथ ही सुलेख प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। दोनों प्रतियोगिताओं में निर्णायक मंडली द्वारा प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान का चयन किया गया।

धनतेरस पर पटना में 3200 करोड़ का कारोबार
7000 से ज्यादा बाइक, 3000 कारें बिकीं

20 लाख से ज्यादा सोने के सिक्के की खरीददारी

पटना, एजेंसी। इस धनतेरस पटना में करीब 3200 का कारोबार हुआ है। इसमें सर्राफा बाजार का कारोबार 800 करोड़ का हुआ है। इसके अलावा पटना 7000 से ज्यादा बाइक और 3000 से ज्यादा कारें बिकीं हैं। वहीं, इस बार 20 लाख से ज्यादा सोने के सिक्के और 10 लाख से ज्यादा चांदी के सिक्के बिके। पिछले साल पटना में करीब 2200 करोड़ का कारोबार हुआ था। इसमें सबसे अधिक सोना-चांदी का व्यवसाय हुआ था। 500 करोड़ के सोना-चांदी के आभूषण बिके थे। जबकि इस साल 45 फीसदी ज्यादा का कारोबार हुआ।

वहीं, 2024 में बेगूसराय में करीब 200 करोड़, किशनगंज, वैशाली और पश्चिमी चंपारण में 100 करोड़, गया में 120 करोड़, बांका 50 करोड़ का कारोबार हुआ। पूर्णिया में धनतेरस पर 400 करोड़ से अधिक का व्यापार हुआ है। धनतेरस के मौके पर 3500 बाइक, 1200 कॉमर्शियल और प्राइवेट वाहन की बिक्री हुई। चैंबर ऑफ कॉमर्स के मुताबिक, धनतेरस के दिन मधेपुरा में करीब 35 करोड़ का कारोबार हुआ है। वहीं, लखीसराय में करीब 29 करोड़ के व्यवसाय होने की जानकारी मिली है।

पटना में पिछले साल की अपेक्षा 30 प्रतिशत अधिक बिक्री

राजधानी पटना में इस बार इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में भी उछाल रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स सामान में मिल रहे छूट के कारण पिछले साल की तुलना में इस साल 30 प्रतिशत अधिक बिक्री हुई है। राधे कृष्ण ज्वेलर्स के मालिक मोहित खेमका ने बताया, इस बार अनुमान से अधिक व्यापार हुआ है। गोल्ड की कीमत आज सबसे अधिक थी। इसके बावजूद लोगों ने वेडिंग ज्वेलरी और सोना-चांदी के कॉइन को सबसे अधिक खरीदा है। चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रेसिडेंट सुभाष पटवारी ने बताया, इस साल गोल्ड की कीमत में वृद्धि होने के बावजूद लोगों ने जमकर खरीदारी की है। इस साल करीब 800 करोड़ का सर्राफा का व्यापार रहा है, जो पिछले साल की तुलना में अधिक है।

3 हजार कार, 7 हजार बाइक बिकी

पटना में सबसे अधिक गाड़ियां बिकी हैं। इसमें सबसे अधिक टू व्हीलर शामिल है। बजाज ऑटो में मैनेजर करण साहू ने बताया, पटना में सिर्फ बजाज से करीब 3 हजार से अधिक टू व्हीलर वाहनों की डिलीवरी हुई है। ओवरऑल 13 हजार बाइक बिकी है। सबसे अधिक हीरो की स्प्लेंडर प्लस, होंडा की एसपी 125 और बजाज की पल्सर की बिक्री हुई है। टू व्हीलर का कारोबार 1200 से 1400 करोड़ के बीच का रहा है। कुल मिलाकर पटना में 3 हजार कार और 7 हजार बाइक की बिक्री हुई। टाटा शो रूम के मैनेजर संजय सिंह ने बताया, पटना में 3 हजार से अधिक फोर व्हीलर की बिक्री हुई है। फोर व्हीलर में महिंद्रा की ब्लैक स्कॉर्पियो, टाटा की नेक्सॉन और पंच सबसे ज्यादा बिकी है। करीब 250 से 300 करोड़ के बीच का कारोबार रहा है। बता दें कि धनतेरस के लिए पिछले 3 महीने से ही बुकिंग चल रही थी। शो रूम से अभी मात्र 80 प्रतिशत गाड़ियों की ही डिलीवरी हो पाई है।

400 करोड़ का हुआ इलेक्ट्रॉनिक्स सामान का कारोबार

लोगों ने टीवी, फ्रिज, वाशिंग मशीन की भी खूब खरीदारी की है। पटना में करीब 400 करोड़ के बीच इलेक्ट्रॉनिक्स सामान का व्यापार हुआ है। आदित्य विजन के मैनेजर अनुज कुमार ने बताया, इस साल पिछले साल की अपेक्षा 35 से 40त्न अधिक बिक्री हुई है।

किशनगंज में 1800 टू व्हीलर्स की बिक्री हुई

किशनगंज जिले के व्यापार संघ का दावा है कि धनतेरस में सौ करोड़ से ज्यादा का कारोबार हुआ है। सबसे ज्यादा बिजनेस ऑटोमोबाइल और सर्राफा बाजार में हुआ है। यहां करीब 1800 टू व्हीलर्स की बिक्री हुई। हीरो ने 502 बाइक की बिलिंग की, होंडा ने 400, बजाज की 301 बाइक की बिक्री हुई। वहीं, मारुति शोरूम ने 25 कारों को बेचा। सोने। मारवाड़ी मर्चेंट कमेटी के अध्यक्ष प्रमोद वैद्य ने बताया कि इस बार धनतेरस में बाजार अच्छा रहा।

बेगूसराय में 200 करोड़ का हुआ कारोबार

धनतेरस पर लोगों ने बर्तन, आभूषण, बाइक, कार फर्नीचर, मोबाइल आदि की जमकर खरीदारी की है। जिले में करीब 200 करोड़ का कारोबार हुआ है जो पिछले साल की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक है। वैशाली जिले में 200 से भी अधिक कार की बिक्री हुई है। वहीं, 750 के करीब बाइक की बिक्री हुई है। हालांकि, कुल 1700 कार और बाइक की बुकिंग हुई थी।

पश्चिम चंपारण में करीब 200 करोड़ की खरीदारी

पश्चिम चंपारण में 200 करोड़ का कारोबार हुआ है। इसमें सर्राफा मार्केट में 10 करोड़, बाइक 140.28 करोड़, ट्रैक्टर 6 करोड़, कार 8.32 करोड़, बर्तन 10 करोड़, इलेक्ट्रॉनिक्स 5 करोड़, रेडीमेड कपड़े 2 करोड़, किराना 3 करोड़, मोबाइल 3 करोड़ शामिल हैं। लखीसराय में धनतेरस पर झाड़ू के दुकानों में ग्राहकों की भीड़ देखी गई। धनतेरस पर धनतेरस पर झाड़ू खरीदने का बड़ा महत्व है। मान्यता है कि इस दिन खरीदी गई झाड़ू का सालभर इस्तेमाल करने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और घर में खुशियों का माहौल रहता है। लखीसराय में धनतेरस पर झाड़ू के दुकानों में ग्राहकों की भीड़ देखी गई। धनतेरस पर धनतेरस पर झाड़ू खरीदने का बड़ा महत्व है। मान्यता है कि इस दिन खरीदी गई झाड़ू का सालभर इस्तेमाल करने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और घर में खुशियों का माहौल रहता है।

गया में 10 करोड़ के सोने-चांदी के सामान की हुई बिक्री

गया में मंगलवार को 120 करोड़ रुपए से ऊपर का कारोबार रहा। बाइक, कार, इलेक्ट्रॉनिक्स सामान,बर्तन, लाइट, सजावटी सामग्री, भगवानगणेश और माता लक्ष्मी की प्रतिमाओं की खूब खरीदारी हुई। दिनभर खरीदारी केलिए बाजार में जबरदस्त भीड़ दिखी। बुलियन एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय कुमार वर्मा ने बताया, %धनतेरस पर सोने और चांदी के आभूषण की डिमांड काफी रही। सबसे ज्यादा लोगों ने चांदी और सोने के सिक्के खरीदे। ज्वेलरी शॉप के बड़े और छोटे दुकानों को मिलाकर इस बार करीब 10 करोड़ के सोने-चांदी के सामान की बिक्री हुई। वहीं, इधर बर्तन मंडी के दुकानों की माने तो पीतल के बर्तन अधिक बिके। करीब पांच करोड़ के बर्तन का कारोबार इस धनतेरस पर हुआ है।

छपरा में करीब 213 करोड़ का बिजनेस

छपरा में लंबे समय के बाद धनतेरस पर बाजार में रौनक देखने को मिली। यहां करीब 213 करोड़ का बिजनेस हुआ है। जिले में 70 करोड़ के ज्वेलरी, 55 करोड़ के ऑटोमोबाइल, 30 करोड़ के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट की बिक्री हुई। 10 करोड़ मोबाइल सेक्टर में, 5 करोड़ के बर्तन और ग्रोसरी, 18 करोड़ के फर्नीचर, 5 करोड़ की फ्लैट बुकिंग, 20 करोड़ का फिक्स डिपॉजिट का कारोबार हुआ है।

बांका में 50 करोड़ से अधिक का कारोबार

बांका में लोगों ने मोबाइल, आभूषण, बर्तन, वाहन आदि की जमकर खरीदारी की है। सबसे अधिक बिक्री बाइक और ई-रिक्शा के बाद ट्रैक्टर की हुई है। पिछले साल जिले में 45 करोड़ का कारोबार हुआ था। वहीं, इस साल 50 करोड़ का कारोबार हुआ है।

पटना में पत्नी की हत्या कर थाने पहुंचा पति

पटना, एजेंसी। पटना में एक शख्स (65) ने अपनी पत्नी (55) की लोहे की रॉड से सिर पर मारकर हत्या कर दी। इसके बाद वो रॉड को लेकर थाने पहुंच गया और कहा कि मैंने पत्नी की हत्या कर दी है। दरअसल, उसे शक था कि उसकी पत्नी का उसके बेटे से ही अवैध संबंध हैं। आरोपी का कहना है कि उसने कई बार अपने बड़े बेटे और पत्नी को एक साथ आपत्तिजनक हालत में देखा था। दोनों के बीच काफी दिनों से अवैध संबंध चल रहा था। आरोपी, पत्नी से पिछले कई दिनों से शारीरिक संबंध बनाने के लिए कह रहा था, लेकिन वो नहीं मान रही थी। इसलिए उसने पत्नी की हत्या कर दी। आरोपी पेशे से मोटर मैकेनिक है। मामला बुद्धा थाना इलाके का है आरोपी का कहना है, %मैंने रॉड से सिर पर मारकर उसकी हत्या कर दी। मैं उससे लगभग 1 साल से मेरे साथ संबंध बनाने को कह रहा था, लेकिन वो नहीं मान रही थी। मैंने उसके कदमों पर गिरकर ये हरकत बंद करने के लिए कहा था, लेकिन दोनों पर कोई असर नहीं हुआ। एक बार स्र्य मेमोरियल के पास सड़क हादसे में मैं चोटिल हो गया था। मैं दर्द कराहते हुए घर पहुंचा। कमरे का दरवाजा बंद था। झांककर देखा तो कमरे में अंधेरा था। दोनों आपत्तिजनक हालत में थे।

मां पर साथ रहने का दबाव बनाते थे

आरोपी को 3 बेटे और 1 बेटी है। बेटी का कहना है कि मां की हत्या की जानकारी मोहल्ले वालों ने दी। लोगों ने बताया कि गली में तुम्हारी मां गिरी हुई है। मैं भाग कर वहां पहुंची। मां का सिर बुरी तरह कुचला हुआ था। मैंने दुपट्टे से मां के शरीर को ढंक दिया। मेरे पिता अक्सर मां पर साथ रहने का दबाव बनाते थे, लेकिन मां बीमार होने की वजह से मेरे साथ सोती थी।

घरेलू विवाद में हत्या हुई है

बड़े बेटे के बयान पर पिता कैलाश पर हत्या का केस दर्ज किया गया है। डीएसपी विधि व्यवस्था कृष्ण मुरारी ने कहा कि पति को गिरफ्तार कर लिया गया है। पारिवारिक विवाद में गुस्से में पति ने पत्नी की हत्या की है। स्नस्रुकी टीम को बुलाया गया है। जांच की जा रही है। आरोपी पति ने पुलिस से कहा कि पत्नी उसका ख्याल नहीं रख रही थी। इसी कारण गुस्से में रॉड से सिर पर मार दिया। स्नस्रुकी टीम ने रॉड को जब्त कर लिया है।

सिकंदरपुर सीढ़ी घाट किनारे होगी सजावट

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। वरीय संवाददाता महापर्व छठ पर सिकंदरपुर सीढ़ी घाट के किनारे भी सजावट होगी। जल्द ही घाट परिसर के साथ ही सीढ़ियों का रंगरोगन होगा। मंगलवार को सीढ़ी घाट के निरीक्षण के क्रम में नगर आयुक्त विक्रम विरकर ने सिटी मैनेजर व अन्य अधिकारियों को इस बाबत निर्देश दिए। नगर आयुक्त के साथ ही एएसपी भानू प्रताप सिंह और एसडीओ (पूर्वी) अमित कुमार की टीम ने घाट पर तैयारी को परखा। इस दौरान घाट के किनारे पानी के खतरनाक क्षेत्रों की पहचान कर मजबूत बैरिकेडिंग के साथ चेतावनी का बैनर लगाने की हिदायत दी। घाट के साथ ही उससे जुड़े रास्तों पर लगातार सफाई कार्य जारी रहेगा। इस दौरान सिटी मैनेजर विष्णु प्रभाकर लाल, सफाई प्रभारी कमल किशोर, अजय कुमार व अन्य मौजूद रहे।

आपसी विवाद में मारपीट-गोलीबारी, एक युवक जख्मी: बेतिया में देसी कट्टा-कारतूस जब्त

बेतिया, एजेंसी। बेतिया में मंगलवार की रात करीब 9 बजे पहले के जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट और गोलीबारी हुई है। जिसमें एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जिन्हें इलाज के लिए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना जिले के शनिचरी थाना क्षेत्र अंतर्गत पकड़ीहार गांव की है। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। सदर एसडीपीओ-2 रजनीशकांत प्रियदर्शी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही मौके पर शनिचरी थानाध्यक्ष कृष्ण मुरारी क्यूआरटी के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर कैंप कर रहे हैं। पुलिस कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। एसडीपीओ ने बताया कि घटनास्थल से पुलिस ने एक देसी कट्टा, एक लोडेड पिस्टल, एक जिंदा कारतूस, और एक खोखा बरामद किया है।

मारपीट-गोलीबारी के घटना से मची भगदड़

घायल व्यक्ति की पहचान सिरिसिया थाना क्षेत्र के रमरेखा गांव निवासी दुखी यादव के बेटे मनोज यादव (35) के रूप में की गई है। मनोज यादव के पेट में गोली लगी है। उसकी हालत गंभीर है। बताया जाता है कि मारपीट और गोलीबारी के घटना से शनिचरी चौक पर कुछ देर के लिए भगदड़ मच गया था। घटना में मनोज के भाई सुरेन्द्र यादव को भी हल्की चोट है।

सोशल मीडिया पर हथियार के साथ किया फोटो पोस्ट, अरेस्ट: मोतिहारी में की थी हर्ष फायरिंग, देसी कट्टा जब्त

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी में हथियार के साथ सोशल मीडिया पर पोस्ट डालना युवाओं को महंगा पड़ गया है। बता दें कि आए दिन वैसे युवाओं को पुलिस पकड़ कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है, फिर भी ऐसी तस्वीर सामने आती है। ताज़ा मामला मोतिहारी के हरसिद्धि थाना क्षेत्र से आया है, जहां सोशल मीडिया पर हर्ष फायरिंग करते हुए और हथियार का युवक ने फोटो पोस्ट किया।

पोस्ट पर मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात कि नजर पड़ी, जिसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए अरेराज एसडीपीओ रंजन कुमार के नेतृत्व में टीम बना कर छापेमारी करने का निर्देश दिया। इस दौरान हरसिद्धि थानाध्यक्ष निर्भय राय ने थाना क्षेत्र के धवही गांव में छापेमारी कर फोटो में दिख रहे युवक को गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशान देही पर पर एक देसी कट्टा भी बरामद किया गया। पूछताछ कि गई तो उसने अपना नाम जावेद असलम बताया, जो थाना क्षेत्र के धवही गांव का रहने वाला है।

युवक को पुलिस ने न्यायिक हिरासत में भेजा

एसडीपीओ रंजन कुमार ने बताया कि पूछताछ के बाद युवक को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। छापेमारी टीम में एसडीपीओ रंजन कुमार के आलावा, हरसिद्धि थानाध्यक्ष निर्भय राय, अविनाश कुमार सहित अन्य शामिल थे।

स्कूलों में शिक्षकों को नए तरीके से पढ़ाने का निर्देश

अच्छे नंबर पाने वाले छात्र कैसे पढ़ते हैं...ये स्कूल के बाकी बच्चों को बताया जाएगा

पटना, एजेंसी। राज्य के सरकारी स्कूलों में अर्ध वार्षिक परीक्षा में अच्छे नंबर पाने वाले छात्रों के पढ़ने और लिखने के तरीके को विद्यालय में लागू किया जाएगा। इससे कमजोर छात्र पढ़ना-लिखना सीख सकेंगे। यह योजना कुछ स्कूलों में पाइलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू होगी। अच्छे नंबर पानेवाले छात्रों की कॉपी जिला शिक्षा कार्यालय के साथ ही मुख्यालय में भी पढ़ी जाएगी। स्कूलों में पढ़ाई रोचक बनाने के लिए स्थानीय तरीके का इस्तेमाल किया जा रहा है।

छात्रों के आसपास की चीजों का उदाहरण दे समझाया जा रहा है। स्कूलों में छात्रों को खेल में भी हिस्सा लेना होगा। जिससे छात्र मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहे। खेल में कबड्डी, खो-खो, दौड़ सहित अन्य स्पोर्ट्स शामिल किए गए हैं। योग भी करवाया जा रहा है। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने बताया कि विभाग की ओर से स्कूलों में छात्रों के पढ़ाने और सिखाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे है। अर्ध वार्षिक परीक्षा में वास्तविक रिजल्ट का पता लगाने के लिए दूसरे स्कूल के शिक्षकों को निगरानी की जिम्मेदारी दी गई। इसके साथ ही कॉपी का मूल्यांकन भी दूसरे स्कूलों के शिक्षकों ने किया है। अर्ध वार्षिक परीक्षा में जिन स्कूलों के छात्रों ने अच्छा प्रदर्शन किया है, उन्हें प्रोत्साहित किया जाएगा।

पढ़ाई में अच्छे छात्रों का रिकॉर्ड बनेगा

हर परीक्षा में अच्छे नंबर पाने वाले छात्रों का अलग से रिकॉर्ड बनाया जाएगा। नवंबर में स्कूलों की भी ग्रेडिंग होगी। अच्छे अंक पाने वाले छात्र और अच्छी ग्रेडिंग वाले स्कूलों को विशेष सम्मान दिया जाएगा। उन छात्रों का भविष्य बनाने में शिक्षा विभाग भी सहयोग करेगा। उनके लिए स्कूलों में अतिरिक्त कक्षाएं चलेंगी, जिससे वह इंजीनियर, डॉक्टर सहित अन्य लक्ष्य निर्धारित कर उसके लिए मेहनत कर सकें।

सहरसा के रेलवे कॉलनी में शराब के साथ खड़े थे, पुलिस ने खदेड़ कर पकड़ा

38 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ 3 तस्कर गिरफ्तार

सहरसा, एजेंसी। सहरसा में अवैध विदेशी शराब के साथ तीन तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सदर थाना में एसडीपीओ आलोक कुमार ने प्रेस वार्ता कर ये जानकारी दी है। पुलिस ने गुप्त सूचना पर मंगलवार की सुबह 38.700 लीटर अंग्रेजी शराब के तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी को लेकर सदर थाना में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते सदर एसडीपीओ आलोक कुमार ने जानकारी दी। इन्होंने बताया कि मंगलवार की सुबह गश्ती पदाधिकारी को गुप्त सूचना मिली कि दो तीन व्यक्ति ट्रेन से उतरे है, जो चांदनी चौक से आगे स्थित रेलवे कॉलनी वाली गली में भारी मात्रा में विदेशी शराब लेकर खड़ा है।

भाग रहे बदमाशों को पुलिस ने खदेड़ कर पकड़ा

सूचना के सत्यापन व आवश्यक कार्रवाई के लिए गश्ती दल जब रेलवे कॉलनी पहुंची, तो गश्ती दल को देखकर 3 व्यक्ति भागने लगे। भाग रहे तीनों व्यक्तियों को सशस्त्र बल के सहयोग से पकड़ लिया गया। पकड़े गए तीनों बदमाश के पास से पुलिस ने 90 पीस अंग्रेजी शराब, जिसकी मात्रा 16.200 लीटर, रॉयल स्टैग ब्रांड के 750 एमएल का 30 पीस अंग्रेजी शराब, जिसकी मात्रा 22.500 लीटर बरामद किया गया। सुपौल के भेलाही वार्ड नंबर-19 निवासी अब्दुल मजीद के बेटे मो. हसमुद्दीन, खगड़िया के अलौली हरिपुर वार्ड नंबर-7 निवासी सुधीर साह के बेटे बिट्टू कुमार और सोनवर्षा कचहरी के परमिनिया वार्ड नंबर-1 निवासी विद्यानंद रजक के बेटे अमन कुमार को पुलिस ने पकड़ा है। पुलिस बदमाशों को बरामद शराब के साथ गिरफ्तार कर सदर थाना ले आई। यहां तीनों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। गश्ती टीम में सदर थाना में पदस्थापित पुअनि बजरंगी कुमार सहित सदर थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

सेक्स स्कैंडल में शामिल महिला को पुलिस ने पकड़ा, आरोपी युवक ने कोर्ट में किया सरेंडर

किशनगंज, एजेंसी। बिहार में सेक्स स्कैंडल के दो आरोपी अब कानून के शिकंजे में आ गए हैं। किशनगंज जिले में पुलिस की दबिश के कारण सेक्स स्कैंडल कांड में फरार चल रही एक महिला को गिरफ्तार किया गया तो वहीं एक पुरूष आरोपी ने न्यायालय में आत्मसमर्पण किया है। बहादुरगंज देशियाटोली निवासी आरोपी असगर व धनपुरा कोचाधामन निवासी नाजमीन ने न्यायालय में आत्मसमर्पण किया है। वहीं इसी कांड की आरोपी रोशनी परवीन को पुलिस ने रामपुर चेक पोस्ट के पास से गिरफ्तार किया है।

किशनगंज पुलिस के द्वारा मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया गया कि सूचना मिली कि सेक्स स्कैंडल मामले में दर्ज किशनगंज थाना कांड संख्या 370/24 में शामिल एक महिला आरोपी रोशनी परवीन कोचाधामन निवासी, जो पूर्णिया से सिलीगुड़ी की ओर जा रही है। टीम द्वारा त्वरित कारवाई करते हुए किशनगंज थाना क्षेत्र के रामपुर चेक पोस्ट पर नाका लगाते हुए गिरफ्तार किया गया। इस कांड के आरोपी कोचाधामन सोंथा निवासी फरहान को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका हैं। फरार चल रहे एक आरोपी नकी अनवर की गिरफ्तारी के लिए पुलिस के द्वारा छापामारी जारी है। प्रशिक्षु अवर निरीक्षक राकेश कुमार व डीआईयू की टीम कार्रवाई में शामिल थी।

सची हॉस्पिटल
NH-28 A, नियर टाटा मोटर्स, मोतिहारी (बिहार)
पथरी एवं मूत्र रोग समर्पित हॉस्पिटल
9102779809, 9801344665
डॉ. एस. प्रसाद

आधुनिकता के स्याह अंधेरे में गुम हो गये मिट्टी के बर्तन दीये और परंपरागत कलाकृतियां

- महंगाई और परिवर्तित जीवनशैली के बावजूद प्रजापत समाज नहीं छोड़ना चाहते विरासत
- पर्यावरण और सामाजिक स्वास्थ्य सुरक्षा और संरक्षण में अहम भूमिका निभा सकता हैं मिट्टी के उत्पाद

बीएनएम। मोतिहारी/ सुगौली।
मृत्युंजय पाण्डेय

आधुनिकता के स्याह अंधेरे में गुम होता जा रहा है प्रजापत कुम्हार समाज का मिट्टी से दीये और मनमोहक कलाकृतियां बनाने का परंपरागत व्यवसाय। मिट्टी के कुल्हड़, कड़ाही, घड़ा, मिट्टी की मनमोहक कला-कृतियों से लेकर घरों को रौशन करने के लिए मिट्टी के दीये बनाकर शांति व खुशहाली से अपना व अपने परिवार का पेट भरने वाला प्रजापत समाज वर्तमान में मुफलिसी के कगार पर पहुंच चूका है। उनकी आर्थिक स्थिति चरमरा गयी है। जिससे उनका परिवार और बच्चों का जीवन स्तर भी व्यापार रुप से प्रभावित हो रहा है। हिन्दू धर्म के पर्व त्योहारों दीपावली, छठ, सामा चकेवा में मिट्टी की कड़ाही, हाथी, ढकना, घड़ा आदि के साथ-साथ समाजिक उत्सवों, शादी ब्याह जैसे मौकों पर आकर्षक पानी का रामग्लास, भगोने आदि बनाकर अपने जीवन रेखा को सिंचित करने वाले लोगों के दिन कब और कैसे बहुरेंगे ये समाज और सरकार के सामने एक यक्ष प्रश्न है। बीएनएम संवाददाता ने प्रजापत कुम्हार समाज के गांवों में जाकर उनके मिट्टी के बर्तन, कलाकृतियां बनाने वाले परंपरागत व्यवसाय व उस पर आधारित उनकी आर्थिक पारिवारिक जीवन का विहंगम दिग्दर्शन किया, तो कई चौकाने समाजिक असमानता के तथ्यों तथा मुफलिसी में भी अपने पूर्वजों के परंपरागत व्यवसाय को चाहते हुए भी नहीं त्यागने का मोह उनकी आवाज और आंखों के किनारों से झलकने लगा। मिट्टी के कलाकृतियों अथक परिश्रम से तराशने वाले मुन्ना पडित, राजकुमार पडित, जोखू पडित, राजेश्वर पडित सहित अन्य ने बताया समय के साथ ये व्यवसाय भी महंगाई की चपेट में आ चुका है। साथ साथ मिट्टी के टिकाऊ बर्तन, कलाकृतियां आदि बनाने, सुखाने, पकाने और फिर उन्हें सुंदर और मनमोहक रुप देने के लिए उन्हें रंगों से सजाने में अथक परिश्रम के साथ साथ समय भी बहुत खर्च हो जाता है। उन्होंने बताया कि चार-पांच सौ रुपए प्रति ट्रेलर मिलने वाली चिकनी मिट्टी अब पांच -छः हजार रुपए की हो गई है। किसी तरह धन की व्यवस्था कर मिट्टी ले भी आते हैं तो उनमें से पत्थर कंकड़, चुनना, मुलायम होने के लिए पानी डालकर मसलकर मिट्टी को तैयार करना सबसे श्रमसाध्य है। उसके बाद चाक पर और फिर हाथ से उन्हें आकृति देना बेहद धैर्य का कार्य होता है। उसके बाद उन्हें सुरक्षित सुखाना,आग में पकाकर उन्हें रंगों से चित्रित करके जब बाजार में बेचने जातें हैं तो लागत मूल्य भी नहीं निकल पाता है।लोगों को प्रति दीपक एक रुपया, पांच रुपए प्रति ढकना, दस रुपए प्रति कलश का देना भी भारी पड़ जाता है। प्रजापत समाज के लोगों का कहना है कि एक तरफ सरकार प्लास्टिक, थर्मोकॉल को प्रतिबंधित कर पर्यावरण सुरक्षा के लिए सजगता बरत रही है। चिकित्सा शास्त्री एल्यूमीनियम से बने बर्तनों में भोजन पकाने से मना कर रहे हैं। ऐसे में यदि इस व्यवसाय में उपयोग होने वाली मशीनों के सस्ते और लंबी अवधि के ब्याज दर पर पूंजी उपलब्ध करा दे तथा सामाजिक व सरकारी प्रोत्साहन मिल जाए तो पर्व त्योहारों के अलावे दैनिक उपयोग की मिट्टी की इतनी चीजें बनाई जा सकती हैं। जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ साथ दिनों-दिन प्रदुषित हो रहे वातावरण में सामाजिक स्वास्थ्य को भी सुरक्षित और संरक्षित करने में भी ये व्यवसाय सहायक हो सकता है। वहीं आम लोग साफगोई से मिट्टी के उत्पादों की महत्ता से इंकार नहीं करते लेकिन उनका कहना है कि भाग-दौड़ की जिंदगी में जीवन अत्यधिक सुविधा भोगी हो रहा है। बेशक लागत राशि अधिक हो लोग अत्यधिक सुविधाजनक, कम मेंटेनेंस वाले और टिकाऊ चीजों के उपयोग में अधिक रुचि ले रहें हैं।

ओम स्वीट्स मिठाई के कारखाना व गोदाम को सील कर दर्ज कराई गई प्राथमिकी

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के अरेराज अनुमंडल पदाधिकारी के नेतृत्व में पदाधिकारियों की टीम के द्वारा विगत 29.10.2024 को अरेराज नगर क्षेत्र स्थित विभिन्न मिठाई के दुकानों की जांच की गई थी। इस क्रम में मिठाई बनने वाले कारखाने (गोदाम) की भी जांच की गई थी। उक्त जांच के दौरान भैरो स्थान, वार्ड नंबर 07, नहर के समीप स्थित ओम स्वीट्स के गोदाम में छापेमारी के क्रम में फंगस लगा हुआ, पुराना व अस्वाथ्यकारी कच्चा पदार्थ जैसे खोवा इत्यादि पाया गया। इसी गोदाम में 18 वर्ष से कम उम्र के श्रमिक को काम करते पाया गया एवं सरकार द्वारा निर्धारित मजदूरी के उल्लंघन करने के सम्बंध में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी को जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। इस गोदाम पर सुरक्षा चूक, पर्यावरण प्रदूषण एवं जन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक परिस्थितियों को देखते हुए तत्काल सील कर दिया गया और फंगस लगे हुए को जप्त कर लिया गया। जांचोपरांत कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत, अरेराज को प्राप्त अनियमितताओं के विरुद्ध विधिसम्मत कार्यवाही करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी को प्रतिवेदित करने का निर्देश दिया गया था। कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत अरेराज के द्वारा बताया गया है कि जांच में जो अनियमित पाई गई उसके विरुद्ध अरेराज थाना में ओम स्वीट्स के संचालक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। उन्होंने बताया है कि यह प्राथमिक की बिहार नगर पालिका अधिनियम 2007 की धारा 348 (2)के अंतर्गत दर्ज कराई गई है। दर्ज कराए गए प्राथमिक में अस्वास्थ्यकर खाद्य सामग्री का इस्तेमाल दिवाली के अवसर पर मिठाई बनाने में किया जा सकता है, जो लोग स्वास्थ्य के प्रतिकूल होगा का उल्लेख किया गया है।

केविवि में राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

भारतीय ज्ञान परम्परा समिति, महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर "आधुनिक भारत के निर्माण में सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमिका" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव के संरक्षकत्व में संगोष्ठी का संयोजन भारतीय ज्ञान परम्परा के सदस्य सचिव डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया। अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. विमलेश कुमार द्वारा संगोष्ठी में मुख्य वक्तव्य प्रस्तुत किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने संदेश के माध्यम से सरदार पटेल के योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा "राष्ट्र के एकीकरण में सरदार पटेल की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। आज भारत का जो स्वरूप हम देख रहे हैं वह उनकी निर्मिति है। जिस सूझबूझ से उन्होंने रियासतों का भारत में विलय कराया वह उनकी विलक्षण प्रतिभा और दूरदर्शिता का परिचायक है।" मानविकी एवं भाषा संकाय के अधिष्ठाता प्रो. प्रसूनदत्त सिंह ने अपने संदेश में सरदार पटेल को राष्ट्र के एकीकरण का सबसे बड़ा नायक बताते हुए उनके मार्ग पर चलने का आह्वान किया। mसरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि से संगोष्ठी का आरम्भ हुआ। डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया और सरदार वल्लभभाई पटेल के व्यक्तित्व तथा राष्ट्रनिर्माण में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने हैदराबाद और जूनागढ़ रियासतों के विलय में उनकी भूमिका की विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए कहा कि यदि उन्हें कश्मीर की समस्या को हल करने का अवसर दिया जाता तो उसका भी समाधान हो गया होता। डॉ. विमलेश कुमार ने कहा " जो कार्य प्राचीन भारत में चन्द्रगुप्त मौर्य ने किया वही कार्य सरदार पटेल ने आधुनिक भारत में किया। अंग्रेजी विभाग के छात्र विनीत गौरव ने सरदार पटेल के प्रशासनिक योगदान को रेखांकित किया। अनुराग और शहरयार ने भी पटेल जी के व्यक्तित्व पर चर्चा की। इस अवसर पर राष्ट्रीय एकता शपथ भी उपस्थिति द्वारा लिया गया। कार्यक्रम का अत्यंत सफल संचालन हिन्दी विभाग के शोधार्थी मुकेश कुमार द्वारा किया गया। उपस्थिति का धन्यवाद ज्ञापन शोधार्थी विकास कुमार द्वारा किया गया। राष्ट्रगान से कार्यक्रम का समापन हुआ।

श्रीसोमेश्वर नाथ महोत्सव के आयोजन को लेकर डीएम व एसपी ने स्थल का भ्रमण कर तैयारियों का लिया जायजा

बीएनएम। मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल व पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के द्वारा जिले के अरेराज में आगामी 04 एवं 05 नवंबर को आयोजित होने वाले श्रीसोमेश्वर नाथ महोत्सव के आयोजन स्थल का भ्रमण कर महोत्सव की तैयारी एवं विधि व्यवस्था का जायजा लिया गया। इस अवसर पर नगर आयुक्त नगर निगम मोतिहारी सौरभ सुमन यादव, अनुमंडल पदाधिकारी अरेराज अरुण कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अरेराज, प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी अरेराज भी उपस्थित रहे। आयोजन स्थल के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी के द्वारा आयोजन स्थल पर सीसीटीवी कैमरा पर्याप्त संख्या में लगाने, कार्यक्रम का ड्रोन से निगरानी रखने एवं डीएफएमडी के माध्यम से आगंतुकों का प्रवेश सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि यह बड़ा आयोजन है। इसमें पार्श्व गायक सहित ख्याति प्राप्त कलाकार भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रहेगी। इसके लिए भीड़ नियंत्रण एवं यातायात व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू करना होगा। इस संबंध में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को सभी जरूरी निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि आयोजन स्थल के पास सम्यक रूप से वाहन पार्किंग की व्यवस्था भी रहे ताकि बाहर से आने आने वाले लोगों को कोई असुविधा न हो। श्रीसोमेश्वर नाथ महोत्सव के आयोजन का प्रचार-प्रसार व्यापक रूप से कराने का भी निर्देश दिया गया।

जिले में 11 नवम्बर से शुरू होगा मिशन परिवार विकास अभियान

बीएनएम। मोतिहारी

30 नवम्बर तक पुरुष नसबंदी पखवाड़ा का होगा आयोजन- डीसीएम नन्दन झा

जिले में 11 नवम्बर से मिशन परिवार विकास अभियान शुरु होने जा रहा है। 30 नवम्बर तक इसके तहत पुरुष नसबंदी पखवाड़ा भी आयोजित किया जाएगा। आगामी 11 नवम्बर से 17 नवम्बर तक "दम्पत्ति सम्पर्क सप्ताह" एवं 18 नवम्बर से 30 नवम्बर तक "परिवार नियोजन सेवा पखवाड़ा" संपादित किया जाएगा। डीसीएम नन्दन झा ने बताया कि इसको लेकर राज्य द्वारा पत्र जारी किया गया है।जिले के अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. श्रवण कुमार पासवान ने बताया कि पूरे राज्य में जनसंख्या स्थिरीकरण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना, परिवार नियोजन कार्यक्रम अंतर्गत उपलब्ध सेवाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाना तथा योग्य दम्पतियों को इच्छित सेवा प्रदान करना स्वास्थ्य विभाग का लक्ष्य है, जिसके लिए जिलास्तर पर तैयारियाँ शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के आयोजन को लेकर राज्य स्वास्थ्य समिति के तरफ से निर्देश दिया गया है। पुरुष नसबंदी पखवाड़ा के बेहतर प्रबंधन हेतु विभागों से समन्वय हेतु जिला स्तर पर बैठक का आयोजन किया जायगा। समुदाय स्तर पर आमजन को उत्प्रेरित करने में आशा, आंगनबाड़ी सेविका, जीविका दीदी, विकास मित्र आदि की भागीदारी होगी। जागरूकता उत्पन्न के उद्देश्य से ई-रिक्शा (सारथी रथ) चलवाया जाएगा।

महिला बंध्याकरण और पुरुष नसबन्दी कराने पर मिलेगा आर्थिक लाभः पीएसआई के जिलाप्रतिनिधि अमित कुमार ने बताया कि जिले के सभी 27 प्रखंड के स्वास्थ्य केंद्रों पर परिवार नियोजन दिवस का आयोजन किया जाता है जिसमें गर्भनिरोधक दवाएँ, सुई, माला, छाया, अंतरा एवं कंडोम के साथ ही अन्य गर्भनिरोधक सामग्रियों का वितरण कराया जाता है। महिला बंध्याकरण एवं पुरुष नसबंदी हेतु आमजनों को जागरूक किया जाता है। बंध्याकरण/नसबंदी के गुणवत्तापूर्ण सेवा अंतर्गत परामर्श, चिकित्सीय जाँच, पैथोलॉजी जाँच इत्यादि की निःशुल्क सेवा उपलब्ध करायी जाती है। लाभार्थी को प्रत्येक अंतरा सूई पर 100/-रूपये की राशि उनके खाता में भेजी जाती है। जिला स्वास्थ्य समिति के डीपीसी भारत भूषण ने बताया कि नसबंदी के लिए पुरुष लाभार्थी को 3000 रुपए एवं प्रेरक को प्रति लाभार्थी 300 रुपए प्रोत्साहन के तौर पर दिए जाने का प्रावधान है। जबकि महिला बंध्याकरण के लिए लाभार्थी को 2000 रुपए एवं प्रेरक को प्रति लाभार्थी 300 रुपए आर्थिक लाभ दी जाती है।

उप विकास आयुक्त ने किया ग्रामीण मार्ट का उद्घाटन

डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने में ग्रामीण मार्ट की महत्वपूर्ण भूमिका - उप विकास आयुक्त

बीएनएम। मोतिहारी

बुधवार को जिले के आदापुर प्रखण्ड स्थित बेलवा ग्राम पंचायत में मनरेगा द्वारा निर्मित ग्रामीण मार्ट का उद्घाटन उप विकास आयुक्त शंभु शरण पांडे द्वारा किया गया। इस उद्घाटन के दौरान निदेशक, डीआरडीए, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (मनरेगा), कार्यक्रम पदाधिकारी, आदापुर, स्थानीय मुखिया, अन्य पंचायत प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में जीविका दीदीयाँ उपस्थित थी। जीविका दीदीयों के संबोधन के क्रम में उप विकास आयुक्त द्वारा बताया गया कि यह जो ग्रामीण मार्ट है, उसे मनरेगा श्रमिकों के भुगतान में सहूलियत आएगी। पहले मनरेगा के श्रमिकों को विशेष मजदूरी मिलने में 15 दिन लग जाते है। इस दौरान उनके जीवन-यापन में कठिनाईयाँ आती है। इस मार्ट से उन्हें मदद मिलेगी। कहा कि यह मार्ट मनरेगा से निर्मित हुआ है एवं जीविका के द्वारा संचालित किया जाएगा। इस मार्ट के माध्यम से डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा एवं कम्प्यूटराईज्ट तरीके से राशि हस्तांतरण होगा। यह इस जिले का अनुठा कार्यक्रम है, जिसका पूरे बिहार में क्रियान्वयन की संभावना है।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

रुपये दोगुना करने वाले तीन जालसाजों सहित छः गिरफ्तार

पुलिस को गुमराह करने को जालसाजों के साथी ने दर्ज करायी थी लूट की झूठी प्रथमिकी

बीएनएम। सुगौली

नोट डबल करने वाले तीन जालसाजों सहित फाइनेंस कंपनी के तीन कर्मचारी सहित छः गिरफ्तार। मंगलवार को पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए सभी को पकड़ा। जानकारी के मुताबिक मुजफ्फरपुर जिले के बोचहा थाना स्थित एतवारपुर ताज निवासी मोहम्मद आफताब आलम ने रुपए लूट लिए जाने की प्रथमिकी थाना में दर्ज कराया था। दर्ज प्राथमिकी में सड़क मार्ग पर ढ़ाई लाख रुपए लूट लिए जाने की बात बताई। प्राथमिक दर्ज होते ही पुलिस ने एस डी पी ओ मोतीहारी सदर -2 जितेश पाण्डेय ने पुलिस टीम का गठन कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दिया।जांच के दौरान लूट मामले की एक कड़ी पुलिस के हाथ लग गई। पुलिस ने तत्काल छापेमारी कर सुगौली नगर पंचायत निवासी हलीम मियां को सोलह हजार रुपए नकद व मोबाइल के साथ हिरासत में ले लिया।हलीम मियां से पुलिस की पूछताछ ने घटना पर चढ़ा परत दर परत उघड़ता चला गया। हलीम मियां ने पुलिस को बताया कि प्राथमिक दर्ज कराने वाला मोहम्मद आफताब ने ही रुपये दुगुना करने के लिए उसे एक लाख रुपए दिए थे।हलीम की निशानदेही

पर पुलिस ने उसके भगिना सुगौली नगर पंचायत निवासी मोहम्मद एजाज को गिरफ्तार कर उसके पास इक्कीस सौ पचास रुपए व मोबाइल जब्त किया। दोनों आरोपियों से पूछताछ के बाद पुलिस ने स्थानीय बाजार में चल रहे आरोहन फाइनेंस कंपनी के तीन कर्मचारी लूट की झूठी प्राथमिकी दर्ज कराने वाले मोहम्मद आफताब, सीतामढ़ी जिले के परसौनी थाना क्षेत्र निवासी मकबूल आलम तथा पश्चिमी चंपारण जिले के बगहा थाना क्षेत्र निवासी सुमित कुमार तथा एयरटेल पेमेंट बैंक के संचालक मोहम्मद फारुख अब्दुल्ला को हिरासत को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार वादी मोहम्मद आफताब ने मामले में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए बताया कि उसने नोट दुगुना करने के लिए एक लाख रुपए दिए थे। लेकिन वापस रुपए दुगुना नहीं मिलने पर लूट की झूठी प्रथमिकी दर्ज कराया था। पुलिस ने गिरफ्तार सभी अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मामले का उद्भेदन करने वाली टीम में सुगौली थाना के पुलिस निरीक्षक अशोक पाण्डेय,पु नि सह थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह,पु अ नि अभिनव राज,पु अ नि राजेश कुमार व सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

पकड़ीदयाल व मधुबन नगर क्षेत्र के दर्जनों मिठाई की दुकानों की हुई जांच

बीएनएम। मोतिहारी

दीपावली एवं छठ महापर्व के अवसर पर जिला प्रशासन के द्वारा लगातार नगर क्षेत्र स्थित मिठाई की दुकानों की जांच कराई जा रही है। विगत 29 अक्टूबर को देर संध्या अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पकड़ीदयाल के नेतृत्व में पदाधिकारियों की टीम के द्वारा पकड़ीदयाल एवं मधुबन नगर क्षेत्र के एक दर्जन से ज्यादा मिठाई की दुकानों की जांच की गई एवं सैंपल कलेक्ट किया गया। अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा जांच के दौरान मिठाई की दुकान एवं मिठाई के बनने वाले स्थल (कारखाना) की साफ-सफाई को भी देखा गया एवं प्रतिष्ठान के संचालकों को सख्त निर्देश दिया गया कि मिठाई बनाने में मिलावटी सामानों से बचा जाए एवं और अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों का उपयोग नहीं किया जाए अन्यथा नियम संगत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जांच के दौरान खाद्य निरीक्षक को सैंपल कलेक्ट कर उसकी जांच कराने एवं प्राप्त रिपोर्ट पर विधि संवत कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। जांच के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी भी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

हरसिद्धि में कार्यकर्ता सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी। हरसिद्धिः चम्पारण बैंक्विट एंड रिसोर्ट हरसिद्धि में भाजपा द्वारा आयोजित सक्रिय सदस्य सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष छोटेलाल कुशवाहा ने किया। इस दौरान गन्ना उद्योग मंत्री कृष्णनंदन पासवान ने कहा कि आप सभी कार्यकर्ताओं के बदौलत भाजपा दुनिया में सबसे बड़ी पार्टी है। आप सब गांव गांव में सरकार के जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर हर परिवार को भाजपा का सदस्य बनाए। कार्यक्रम में पार्टी के दर्जनो सक्रिय कार्यकर्ताओ को मंत्री ने अंग वस्त्र व कलाई घड़ी देकर सम्मानित किया। समारोह में भाजपा राष्ट्रीय परिषद् सदस्य राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, भाजपा जिला उपाध्यक्ष राकेश गुप्ता, लघु उद्योग मंच के जिला संयोजक पवन राज, अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष दीपक शर्मा, महामंत्री निकेश सिंह चौहान, झुन्ना कुशवाहा, महेंद्र सहनी, वीरेन्द्र कुशवाहा, सुरेन्द्र सिंह, उपेन्द्र पांडेय सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे |

डीएम ने रबी जागरूकता रथ को किया रवाना

बीएनएम। मोतिहारी। रबी महभियान 2024 के अंतर्गत किसान जागरूकता वाहन को डीएम सौरभ जोरवाल व जिला कृषि पदाधिकारी मनीष कुमार सिंह ने बुधवार को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जागरूकता रथ पूर्वी चम्पारण जिले के सभी प्रखंडों का भ्रमण करेगी तथा रबी से संबंधित योजनाओं के बारे में डिस्प्ले के माध्यम से किसानो को जानकारी देगी,साथ ही रथ के माध्यम से कृषि यांत्रिकरण योजना, बागवानी विकास योजना, आत्मा योजना, जलवायु अनुकूल खेती तथा रबी फसलो का बीज वितरण के बारे में तकनीकी जानकारी भी दिया जायेगा। इस अवसर पर जिला कृषि पदाधिकारी सह परियोजना निदेशक आत्मा मनीष कुमार सिंह, उप परियोजना निदेशक आत्मा धीर प्रकाश धीर, नगर आयुक्त सौरभ सुमन यादव, सहायक निदेशक उद्यान विकास कुमार, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी सदर प्रभात कुमार, कार्यपालक सहायक धनंजय चौरसिया सहित अन्य मौजूद थे।

प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी समेत डेढ़ दर्जन स्वास्थ्य कर्मियों के वेतन पर रोक

- निरीक्षण में अनुपस्थित पाये गये स्वास्थ्य कर्मी
- एसडीएम ने किया औचक निरीक्षण

बीएनएम। बगहा/पश्चिमी चंपारण। अनुमंडल पदाधिकारी बगहा गौरव कुमार ने बुधवार को शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बगहा -दो का औचक निरीक्षण किया गया। एसडीएम के निरीक्षण के दौरान शहरी पीएचसी प्रभारी समेत डेढ़ दर्जन स्वास्थ्य कर्मी अनुपस्थित पाए गए। एसडीएम गौरव कुमार ने बताया कि निरीक्षण में एएनएम रीमा कुमारी, ममता कुमारी, सोनी कुमारी, विभा सिन्हा, पिंकी कुमारी, स्मृति कुमारी, बबली कुमारी ,नीतू कुमारी, आईटी मनीष कुमार , बिट्टू कुमार यादव,कार्यालय परिचारी, अनीता कुमारी, ममता कुमारी, प्रीति देवी, रामायण राम ,राजकिशोर चौधरी मोहम्मद साबिर ,गार्ड अनुपस्थित पाए गए। चिकित्सा पदाधिकारी, डॉक्टर धर्मेंद्र कुमार भी अस्पताल से अनुपस्थित थे। सभी अनुपस्थित कर्मियों से स्पष्टीकरण प्राप्त करने तथा अनुपस्थित अवधि का वेतन स्थगित करने का निर्देश दिया गया है। एसडीएम द्वारा बाल विकास परियोजना बगहा दो का भी निरीक्षण किया गया। जिसमें सीडीपीओ अवकाश में थीं। कार्यालय के प्रधान लिपिक विकास कुमार व डाटा आपरेटर मौजूद पाएं गए। एसडीएम का औचक निरीक्षण से स्वास्थ्य कर्मियों सहित अन्य कार्यालय के कर्मियों के बीच हड़कंप मच गया।

नारायणी नदी के तट पर पांच हजार दीपों का किया गया दीपदान

बगहा में मंच ने अनोखे अंदाज में घाटों को दीपों व अबीर- गुलाल से सजा कर किया दीपदान

बीएनएम। बगहा/पश्चिमी चंपारण

अयोध्या में भगवान श्री राम के विराजमान होने पर नारायणी नदी घाट पर पांच हजार दीपों का दीपदान नैतिक जागरण मंच वेलफेयर ट्रस्ट ने की। लोक कल्याणार्थ पीछले 10 वर्षों से धनवंतरी प्राकट्य दिवस धनतेरस के अवसर पर दीपदान कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। इस साल भी एक अनोखे अंदाज में दीपदान कार्यक्रम आयोजन किया गया। नदी घाटों को दीपों अबीर गुलाल आदि के सहायता से स्वास्तिक चिन्ह, स्वागत शब्द आदि लिखकर सजाया गया। गौरतलब हो कि धनतेरस के अवसर जहां लोग लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए बर्तन सोना चांदी वगैरह खरीदते हैं। वहीं नैतिक जागरण मंच वेलफेयर ट्रस्ट, लोगों के सुख समृद्धि आरोग्यता आदि की प्राप्ति के लिए भगवान धनवंतरी और माता लक्ष्मी की आराधना करवाता है। जहां हजारों लोग नारायणी नदी में दीपदान करते हैं। लोगों मंत्रोच्चार के साथ आरती कर मां नारायणी व मंदिर में विराज देवी- देवताओं का आशीर्वाद लेते हैं। ट्रस्ट की सचिव निप्पू कुमार पाठक बताते

दीपदान कार्यक्रम में शामिल श्रद्धालु

हैं कि कार्तिक मास अत्यंत पावन पवित्र मास है। इस महीने में भगवान लक्ष्मी नारायण की भक्ति ,उनके नाम का संकीर्तन पवित्र पेड़ों के नीचे और पवित्र नदियों के तट पर दीपदान करने से महान शुभ फल की प्राप्ति होती है। पाप नष्ट हो जाते हैं, यश, सुख शांति के आलावा अक्षय लक्ष्मी की प्राप्ति होती है। इसीलिए जनमानस के कल्याण के लिए नैतिक जागरण मंच लगातार 10 वर्षों से दीपदान कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे प्रखंड विकास पदाधिकारी विड्डू कुमार राम वार्ड संख्या -2 के वार्ड आयुक्त सुभाषिनी देवी और वार्ड संख्या एक के मोहम्मद लैस को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। तत्पश्चात रंगोली बनाकर घाटों को सजाने वाली विद्यालयों की छात्राओं को प्रथम द्वितीय तृतीय पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। आरएसएस के मौजूद लोगों में निशांत कुमार गुप्ता ,सुरेंद्र शाही ,हिमांशु कुमार विनय कुमार जायसवाल, मिश्र मणि भूषण तिवारी अमित मिश्र आदि को हनुमान चालीसा देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर मीडिया के उपस्थित बन्धुओं को भी मिठाई देकर सम्मानित किया गया। इस कार्य में नैतिक जागरण मंच वेलफेयर ट्रस्ट के अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष नंदलाल प्रसाद उपाध्यक्ष अरविंद सिंह, समन्वयक माधवेंद्र पांडेय जयप्रकाश वर्मा ,संयोजक हरेन्द्र कुमार प्रसाद , मार्कंडेय मिश्र अवधेश प्रसाद जायसवाल, टुनटुन गुप्ता ,रघुवंश मणि पाठक मनोज ठाकुर ,मणि भूषण तिवारी ,विनय कुमार के अलावा छात्र-छात्राएं तथा शिक्षक मौजूद रहे। लगभग हजारों की भीड़ में दीपदान किया ।पूरी नदी दीपों की लव से दीपोत्सव की खुशी में नहाती हुई नजर आई। घाट दीपक की रोशनी में नहाते हुए प्रतीत हो रहे थे।

चॉकलेट का लालच देकर वर्ग दो के छात्र का अपहरण, चार घंटे में सकुशल बरामद

छात्र विद्यालय से जा रहा था घर

बीएनएम। केसरिया

पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए एक अपहृत स्कूली छात्र को अपरहण के चार घण्टा के अंदर सकुशल बरामद कर लिया है। केसरिया थाना परिसर में पत्रकारों को जानकारी देते हुए डीएसपी सत्येन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि बिजधरी थाना क्षेत्र के पश्चिमी सुन्दरापुर वार्ड चार निवासी राकेश ठाकुर का पुत्र अंकित कुमार प्राथमिक विद्यालय सुन्दरापुर वृत्ति टोला में वर्ग दो में पढ़ता है। अंकित तबियत खराब होने के बाद बुधवार को विद्यालय से अपने छोटे भाई के साथ घर जा रहा था। वह विद्यालय के कुछ हीं दूर गया था कि एक बाइक सवार अपराधी उसे चॉकलेट का लालच देकर अपनी बाइक पर बैठा लिया। उसके बाद साहेबगंज की तरफ भाग निकला। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आसपास के थाना को अलर्ट किया गया। जिसके बाद साहेबगंज-राजपुर सड़क मार्ग के खोड़ा के समीप डायल 112 की गाड़ी देख अपहर्ता बच्चा को छोड़ भाग निकला। डीएसपी ने बताया कि अपहर्ताओं की संख्या दो बतायी जा रही है। आसपास के सीसीटीवी कैमरा से अपराधियों की पहचान को लेकर कार्रवाई की जा रही है। छात्र को बरामद करने वाले पुलिस टीम में डीएसपी के अलावा पुलिस निरीक्षण मुनीर आलम, केसरिया थानाध्यक्ष उदय कुमार, बिजधरी थानाध्यक्ष राजीव कुमार सहित सशस्त्र बल शामिल थे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम सह बौद्धिक ज्ञान दीपोत्सव का किया गया आयोजन

बीएनएम। केसरिया

प्रखण्ड क्षेत्र के लाला छपरा ओझवलिया स्थित थाई मंदिर परिसर में बुधवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम सह बौद्धिक ज्ञान दीपोत्सव का आयोजन किया गया। विश्व विरासत चंपारण परिषद, महात्मा बुद्ध सेवा संस्थान व अन्य संगठनों द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक सह विधान सभा के पर्यटन उद्योग संबंधित समिति के अध्यक्ष सत्यदेव राम, थाई मंदिर वैशाली के प्रमुख छलोंग चंद्रा सिरी व प्रो वीरेंद्र प्रसाद यादव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। उद्घाटन उपरांत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक सत्यदेव राम ने कहा कि महात्मा बुद्ध के विचार पर चल कर हीं बुद्ध के अनुयायी हो सकते हैं। इनके विचार को जन-जन तक पहुँचाये ताकि लोग महात्मा बुद्ध के मार्गों के बारे में जान कर मानव कल्याण करें। उन्होंने कहा कि हमारी विरासत को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से समाप्त करने की कोशिश की जा रही है। जो कतई बर्दाश्त नहीं है। कार्यक्रम में अन्य वक्ताओं ने भी बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर व महात्मा बुद्ध की जीवनी पर प्रकाश डाला। इस दौरान आयोजन समिति द्वारा आगत अतिथियों को बौद्ध स्तूप का प्रतीक चिह्न देकर स्वागत किया गया। इससे पहले थाई मंदिर परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कलाकारों ने बाबा साहेब व महात्मा बुद्ध से संबंधित गीतों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीताराम यादव व संचालन तुलसी राम ने किया। कार्यक्रम के अंत में मौजूद सभी लोग पैदल मार्च कर बौद्ध स्तूप पहुँचे। जहाँ दीपोत्सव मनाया गया। मौके पर सत्याशरण यादव, रवींद्र सिंह कुशवाहा, मदन प्रसाद, हरिशंकर पासवान लालबाबू राम, रंजीत कुमार, रामाधार राय, सोमेश्वर प्रसाद, संजय निराला, सहेंद्र यादव सहित अन्य मौजूद थे।

लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा को लेकर तैयारियां जोरों पर

प्रशासनिक अधिकारियों ने विभिन्न छठ घाटों का किया निरीक्षण

बीएनएम। सुगौली

लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा को लेकर मंगलवार को नगर पंचायत स्थित विभिन्न छठ घाटों का प्रखंड विकास पदाधिकारी नूतन किरण, अंचलाधिकारी कुंदन कुमार, थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह, उपमुख्य पार्षद प्रतिनिधि विकाश शर्मा ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी नूतन किरण ने कहा कि छठ पर्व के दौरान छठ घाटों पर सुरक्षा के हर मानकों को ध्यान में रखते हुए पूरी तैयारी रहेगी। उन्होंने कहा कि छठ घाट पर मेडिकल टीम की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। वहीं अंचलाधिकारी कुंदन कुमार ने बताया कि नदी स्थित छठ घाटों पर नाव, गोताखोरों और नाविकों की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाएगा। थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने बताया कि छठ व्रतियों व परिजनों के छठ घाटों के आवागमन के दौरान उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर बिंदु को चिन्हित कर लिया गया है ताकि सुरक्षा के हर मानकों को पूरा किया जा सके। वहीं उपमुख्य पार्षद प्रतिनिधि विकास शर्मा ने बताया कि सुगौली सिकरहना नदी घाट पर नगर प्रशासन के द्वारा सुरक्षा के तहत नदी में बैरिकेटिंग लगाने, छठ घाट पर व छठ घाट से सुगौली बस स्टैंड चौक तक व सुगौली गांव तक लाईट की समुचित व्यवस्था, छठ व्रतियों के लिए घाटों पर चेंजिंग रुम, नियंत्रण कक्ष, सेल्फी प्वाइंट, स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था किया जाएगा। साथ ही छठ व्रतियों के आवागमन को देखते हुए नगर पंचायत के सभी छठ घाटों के पहुंच मार्ग की साफ सफाई एवं उन्हें दुरुस्त करने का कार्य प्रारंभ है। निरीक्षण के क्रम में वार्ड पार्षद प्रतिनिधि सुजीत सहनी, व्यावसायिक संघ अध्यक्ष अशोक प्रसाद, दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष प्रियांशु सर्राफ, रमाकांत सहनी सहित कई अन्य लोग मौजूद थें।

विपक्ष की मांग, केंद्र को ध्यान देना चाहिए

निज्जर मामले में भारत-कनाडा के बिगड़ते संबंधों पर चर्चा के लिए संसद के दोनों सदनों में विपक्षी दलों के नेताओं एवं अन्य सभी राजनीतिक दलों की साझा बैठक बुलाने की विपक्ष की मांग पर केंद्र को तुरंत ध्यान देना चाहिए। हकीकत है कि खालिस्तानी उग्रवादी हरदीप सिंह निज्जर के मामले में भारत के सामने मुश्किल स्थिति खड़ी हो गई है। अमेरिका ने दो टूक कहा है कि इस विवाद में वह कनाडा के साथ है। उसने भारत से कनाडा के आरोपों को गंभीरता से लेने को कहा है। ब्रिटेन ने भी ऐसा ही रुख अपनाते हुए भारत से कनाडा की जांच में सहयोग करने को कहा है। फाइव आईज गठबंधन में इन तीनों के अलावा शामिल अन्य दो देशों- ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने भी अब इस विवाद में सार्वजनिक टिप्पणी की है। उन्होंने भी स्पष्ट किया है कि वे कनाडा के आरोपों को गंभीरता से लिए जाने के पक्ष में हैं। कनाडा की विदेश मंत्री कह चुकी हैं कि इस मामले में भारत पर दबाव डलवाने के लिए उनका देश जी-7 से भी संपर्क करेगा। साफ है कि निज्जर और गुरपतवंत सिंह पन्नू के मामलों को अलग-अलग करके देखने और उन पर अलग रुख अपनाने की भारत की रणनीति कारगर नहीं हुई है। नतीजा है कि भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि और विदेश संबंधों में तय प्राथमिकता के सामने गंभीर चुनौतियां आ खड़ी हुई हैं। ऐसे मौकों पर यह जरूरी है कि देश के अंदर संपूर्ण राजनीतिक आम सहमति बनी रहे। इस मकसद से संसद के दोनों सदनों में विपक्षी दलों के नेताओं एवं अन्य राजनीतिक दलों की साझा बैठक बुलाने की विपक्षी मांग पर सरकार को तुरंत ध्यान देना चाहिए। कांग्रेस की आशंका में दम है कि भारत-कनाडा के बिगड़ते संबंधों और कनाडा को कई अन्य देशों के मिले समर्थन से स्थिति और प्रतिकूल हो सकती है, जिसका असर ब्रांड इंडिया पर पड़ेगा। इसलिए जरूरी है कि सरकार इस मामले में अपने रुख से विपक्ष और सारे देश को अवगत कराए। सरकार के पास मौजूद सूचनाएं विपक्ष के साथ साझा की जानी चाहिए। आखिर देश की छवि की रक्षा सबकी जिम्मेदारी है। यह आवश्यक है कि इस मामले में सारा देश एक स्वर में बोले। लेकिन ऐसा तभी हो सकता है कि जब सरकार देश की प्रतिष्ठा की रक्षा में सबको हितधारक माने। अतः अपेक्षित है कि सरकार विपक्ष की मांग को सुने।

कांग्रेस घिसेपिटेपन से मुक्ति की अंगड़ाई नहीं लेती, भाजपा को ढोते रहिए

नरेंद्र भाई की टोपी में अगर ईवीएम-फीवीएम तिकडमों का कोई खरगोश है भी तो इस हक़ीक़त से कैसे इनकार करें कि सामुदायिक, सामाजिक और जातिगत समीकरणों पर लगातार केंद्रित रहने का काम करने वाली एक बेहद प्रतिबद्ध पलटन भाजपा के पास है। क्षेत्रीय दलों के पास भले ही अन्यान्य कारणों से ऐसी टोलियां हैं, मगर कांग्रेस तो समर्पित हमजोलियों के नाम पर एक छिछली और सतही गुदड़ी ओढ़ कर पड़ी हुई है। इसलिए जब तक कांग्रेस अपने घिसेपिटेपन से मुक्ति की अंगड़ाई नहीं लेती, तब तक भाजपा को ढोते रहिए। महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनावों और उन के साथ उत्तर प्रदेश समेत 15 राज्यों में हो रहे 2 लोकसभा क्षेत्रों और 48 विधानसभा क्षेत्रों में हो रहे उपचुनावों से झांक रहा प्रतिपक्षी एकजुटता का दृश्य देख कर जिन की जी नहीं मचला रहा है, मैं उन के धैर्य और आस की दाद देता हूं। हरियाणा का झन्नाटेदार थप्पड़ खाने के बाद भी जिस इंडिया-समूह को वे तारे नज़र नहीं आए हैं, जिन में निश्च्छल आपसी तालमेल की अनिवार्यता का पैगाम छिपा है तो 2029 की आकाशवाणी की धुन हम-आप अभी से समझ लें तो क्या बेहतर नहीं होगा? उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव नहीं माने तो कांग्रेस संन्यास-भाव ओढ़ कर दधीचि बन गई। मगर फिर भी मध्यप्रदेश में अखिलेश को इतनी लाज नहीं आई कि अब शिवराज सिंह चौहान के बेटे की हो गई बुधनी में कांग्रेस का मान रखने के लिए अपना प्रत्याशी न उतारते। महाराष्ट्र में कांग्रेस को जितनी सीटें मिलनी चाहिए थीं, उद्धव ठाकरे और शरद पवार ने उस से दो दर्जन कम दीं। झारखंड में तेजस्वी यादव ने बाद में भले ही थोड़ी परिपक्वता दिखाई, मगर शुरुआत तो हेमंत सोरेन और कांग्रेस पर बेज़ा दबाव बना कर ही की। तो अगर कोई सोच रहा हो कि उत्तर प्रदेश की 9 सीटों पर कांग्रेस आह्लादित हो कर समाजवादी पार्टी के साथ नाचेगी; कि महाराष्ट्र में कम सीटें मिलने से उम्मीदवारी के आकांक्षी जिन दिग्गज कांग्रेसी नेताओं के पंख झर गए हैं, वे उद्धव की शिवसेना और पवार की एनसीपी के साथ आनंदित हो कर ठुमके लगाएंगे; कि झारखंड में आरजेडी अब जेएमएम के साथ 'तुम चंदन, हम पानी हो जाएगी; तो ऐसी मासूमियत पर कौन न मर जाए ऐ ख़ुदा! पश्चिम बंगाल से ले कर असम, मेघालय और सिक्किम तक; बिहार, छत्तीसगढ़, राजस्थान और गुजरात से ले कर उत्तराखंड तक; और पंजाब से ले कर कर्नाटक और केरल तक विपक्षी एकजुटता की गठरी का जर्जरपन नंग-धडंग हमारे सामने खड़ा है। इस सत्य पर, इस तथ्य पर, जिन्हें लीपापोती करनी हो, करें। जिन्हें मुंह बाए सामने खड़ी इस तीलीलीली-सच्चाई से आंखें चुरानी हों, चुराएं। लेकिन एक बात आज ही गांठ बांध लें कि महाराष्ट्र और झारखंड के चुनावों के बाद, अगले आम चुनाव तक, 17 प्रदेशों की विधानसभाओं के चुनाव होंगे और अगर उन में प्रतिपक्षी एकजुटता का यही हश्र होता हुआ लोगों ने देखा तो 2029 में भी भारतीय जनता पार्टी का कोई राष्ट्रीय विकल्प तैयार हो पाने का सवाल तक भी नहीं उठेगा। विपक्ष की एकता को जैसे-तैसे बचाए रखने की आज ज़हमत उठा रहे पुरोधाओं की प्रभावशीलता पांच बरस बाद की गर्मियों में कितनी रह जाएगी? शरद पवार तब 88 साल के होंगे। लालू प्रसाद यादव 81 के हो जाएंगे। सोनिया गांधी 82 की होंगी। उद्धव ठाकरे 69 के हो जाएंगे। एक राहुल गांधी को छोड़ दें तो क्या तब सुप्रिया सुले, तेजस्वी यादव और आदित्य ठाकरे को विपक्षी एकता का फलक अपने लिए चुंबकीय-तत्व की कारगर भूमिका में स्वीकार कर लेगा? क्या पांच साल बाद अखिलेश यादव, ममता बनर्जी और वाम-दलों का कोई प्रकाश करात, माणिक सरकार, पिनरई विजयन या डी. राजा प्रतिपक्षी बरामदे में सियासी-अप्सरा सरीखा आकर्षण केंद्र बने रह पाएंगे? विजयन तब 84 के हो रहे होंगे और करात 81 के। अपरिवर्तनीय यथार्थ यह भी है कि नरेंद्र भाई मोदी भी पांच साल बाद 79 के हो रहे होंगे और भाजपा के भीतरी झंझावातों के बावजूद वे तब तक प्रधानमंत्री बने रह भी गए तो भी 2029 का चेहरा तो वे नहीं होंगे। यह भी असलियत है कि अमित शाह भले ही उम्र के लिहाज़ से तब 65 के ही होंगे, मगर संघ-कुनबे का अंतःपुर उन्हें भाजपा-सरकार की अगुआई करने वाला चेहरा नहीं बनाएगा। मगर 2029 के दृश्य से नरेंद्र भाई और अमित भाई की ग़ैरमौजूदगी के बावजूद 2029 में भाजपा की सेहत पर कोई ज़्यादा फ़क़र् इसलिए नहीं पड़ेगा कि उस की हुकूमती संरचना ने इन दस वर्षों में ऐसी संस्थागत शक्ल अख़्तियार कर ली है।

बिगड़ती डेमोग्राफी में हिंदू और आदिवासी अस्तित्व पर संकट

पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'

भारत का समाज प्राचीनकाल से ही धार्मिक सहिष्णुता और विविधता का प्रतीक रहा है। हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, आदिवासी और अन्य अल्पसंख्यक समुदाय मिलकर इस देश की सांस्कृतिक धरोहर को समृद्ध करते रहे हैं। परंतु, हाल के वर्षों में देश की डेमोग्राफी /जनसांख्यिकी में आ रहे बदलाव और मुस्लिम जनसंख्या में हो रही तेज़ी से वृद्धि ने नई चिंताओं को जन्म दिया है। कई विश्लेषक इसे एक सुनियोजित जनसंख्या विस्तार नीति का परिणाम मानते हैं, जिससे देश की जनसंख्या संरचना और संतुलन में गहरा असर पड़ सकता है। यह असंतुलन विशेष रूप से हिंदू खास कर आदिवासी समुदायों के लिए संकटपूर्ण सिद्ध हो सकता है और भविष्य में उनके अस्तित्व के सामने भी चुनौती पेश कर सकता है।

मुस्लिम जनसंख्या वृद्धि और कट्टरता का प्रभाव- मुस्लिम जनसंख्या में वृद्धि और उसके साथ आई धार्मिक कट्टरता का प्रभाव भारतीय समाज के समक्ष कई प्रश्न खड़े कर रहा है। कुछ इस्लामिक धार्मिक विचारधाराएँ यह मानती हैं कि गैर-मुसलमानों का अस्तित्व धर्म के लिए अनुचित है, और केवल मुसलमानों का ही इस धरती पर सर्वाधिकार होना चाहिए। भारत में ऐसे मुस्लिमों की जनसँख्या विस्तार निति भारत में अल्पसंख्यकों को विलुप्तता के कगार पर ला खड़ा कर सकती है। मुस्लिमो में यह धार्मिक धारणा है कि कोई भी गैर मुस्लिम इस धरती पर जीने योग्य नहीं है और मुसलमान ही धरती का सर्वश्रेष्ट प्राणी है; भारत में अन्य समाज के लिए ख़तरनाक विचार है जो कभी भी हिंसक हो सकता है। ऐसे में किसी भी प्रान्त की डेमोग्राफी में बदलाव संभव है। यह विचारधारा न केवल धार्मिक संकीर्णता को बढ़ावा देती है, बल्कि हिंसक प्रवृत्तियों को भी जन्म दे सकती है। नतीजतन, गैर-मुस्लिम समुदायों में एक असुरक्षा की भावना उत्पन्न हो रही है। उनके लिए यह चिंता का विषय है कि यदि इस बढ़ती जनसंख्या को समय रहते नहीं रोका गया, तो इसका उनके सांस्कृतिक और धार्मिक अस्तित्व पर सीधा असर पड़ सकता है। यह धारणा न केवल धार्मिक संकीर्णता को बढ़ावा देती है, बल्कि सामाजिक स्थिरता के लिए भी खतरा उत्पन्न करती है। ऐसे में अन्य समुदायों के बीच असुरक्षा और भय का वातावरण बन रहा है। इस कट्टरता के फलस्वरूप धार्मिक असंतोष की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। मुस्लिम जनसंख्या की तेज़ वृद्धि और उसमें निहित कुछ रूढ़िवादी धार्मिक विचारधाराओं के चलते हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदाय अपने धार्मिक और सांस्कृतिक अस्तित्व को खतरे में महसूस कर रहे हैं। यदि यह जनसंख्या वृद्धि इसी गति से जारी रही, तो अन्य समुदायों की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान पर गंभीर असर हो सकता है।

हिंदू और आदिवासी समुदायों के अस्तित्व पर संकट- भारत में जनसांख्यिकी असंतुलन का सबसे बड़ा खतरा हिंदू और आदिवासी समुदायों पर पड़ सकता है। उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, झारखण्ड, केरल, और अन्य राज्यों में मुस्लिम आबादी की बढ़ती संख्या का असर अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। इस असंतुलन का परिणाम यह हो सकता है कि आने वाले वर्षों में हिंदू समुदाय भी अपने ही देश के कई क्षेत्रों में अल्पसंख्यक स्थिति में पहुँच जाए। इसका असर केवल धार्मिक और सांस्कृतिक अस्तित्व पर ही नहीं, बल्कि इन क्षेत्रों की स्थानीय परंपराओं और मान्यताओं पर भी पड़ेगा।

आदिवासी समुदायों की स्थिति और भी चिंताजनक है। धर्मांतरण के माध्यम से उनकी संस्कृति और धार्मिक मान्यताओं को प्रभावित करने की कोशिशें जारी हैं। बाहरी ताकतें इस समुदाय की धार्मिक पहचान को बदलने का प्रयास कर रही हैं, जिसके चलते आदिवासी अपनी संस्कृति और पहचान खोने के कगार पर आ सकते हैं। इस धर्मांतरण का मकसद केवल एक धार्मिक विस्तार से विलग कुछ नहीं दीखता। अल्पसंख्यकों के साथ - साथ हिन्दुओं और उनमे भी खासकर आदिवासिओं का धर्मपरिवर्तन चिंतनीय है। इसमें हिन्दू संगठनों का हस्तक्षेप तो आवश्यक हो ही गया है व्यक्तिगत तौर भी हिन्दुओं और अन्य अल्पसंख्यकों को चौकन्ना रहने की नितांत आवश्यकता है। इन्हें यह निश्चित करना होगा कि ऐसी ताकतें किसी भी प्रकार अपने पांव ना पसारने पाएं।

धार्मिक असंतुलन के परिणाम और संभावित हिंसा- इतिहास साक्षी है कि जब भी किसी क्षेत्र में एक धार्मिक समुदाय ने बहुसंख्यक स्थिति प्राप्त की है, तो वहाँ सामाजिक अस्थिरता और हिंसा की स्थिति उत्पन्न हुई है। डेमोग्राफिक असंतुलन से भविष्य में यही स्थिति उत्पन्न हो सकती है। मुस्लिम जनसंख्या में हो रही तेज़ वृद्धि और उसके परिणामस्वरूप समाज में बढ़ता धार्मिक असंतोष इस बात का संकेत है कि यदि यह असंतुलन जारी रहा, तो सामाजिक हिंसा और अस्थिरता का खतरा भी बढ़ जाएगा।

वर्तमान समय में भारत के कई क्षेत्रों में पहले ही गैर-मुसलमानों पर दबाव महसूस किया जा रहा है, जो कि इस असंतुलन के खतरनाक संकेत हैं। एक बार जब यह स्थिति अपने चरम पर पहुँच जाएगी, तो इससे समाज में व्यापक असंतोष और अस्थिरता की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। खासतौर पर हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के लिए यह एक चिंता का विषय बन सकता है। यह स्थिति सामाजिक सुरक्षा और शांति के लिए गंभीर चुनौती बन सकती है।

हिंदुत्व संगठनों की भूमिकाः समय की मांग- बिगड़ती डेमोग्राफिक संरचना को संतुलित करने के लिए हिंदुत्व संगठनों का हस्तक्षेप अब अत्यंत आवश्यक हो गया है। इन संगठनों का उद्देश्य केवल जनसंख्या संतुलन बनाए रखना ही नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक और धार्मिक विविधता की सुरक्षा करना भी है। विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों का हस्तक्षेप इस स्थिति में समय की आवश्यकता बन गया है।

धर्मांतरण और अवैध प्रवासियों की संख्या में वृद्धि जैसी समस्याओं के समाधान के लिए संगठनों को विशेष कदम उठाने होंगे। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि समाज में किसी भी प्रकार की कट्टरता और असमानता फैलाने वाली ताकतें अपने पैर न पसार सकें। हर हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक नागरिक को भी अपनी संस्कृति और धर्म की सुरक्षा के प्रति जागरूक और सतर्क रहना चाहिए।

हिंदुत्व संगठनों को चाहिए कि वे समाज में एकजुटता और सौहार्द्र का माहौल बनाए रखें, ताकि समाज का हर वर्ग सुरक्षित और संरक्षित महसूस कर सके। साथ ही, इन्हें समाज के हर व्यक्ति को अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान की सुरक्षा के प्रति जागरूक करना होगा।

सरकार की भूमिकाः नीतिगत हस्तक्षेप की आवश्यकता- इस बदलती डेमोग्राफी /जनसांख्यिकी पर सरकार का दृष्टिकोण भी महत्त्वपूर्ण है। देश की सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं को सुरक्षित रखने के लिए सरकार को उचित कदम उठाने चाहिए। जनसंख्या नियंत्रण और धर्मांतरण जैसी नीतियों पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक है। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि समाज में सामुदायिक संतुलन बना रहे और बाहरी हस्तक्षेप से देश की आंतरिक संरचना पर कोई विपरीत प्रभाव न पड़े। जो गैर-मुस्लिम राजनीतिज्ञ वोटों के लालच में ऐसी मानसिकता को बढ़ावा दे रहे हैं भविष्य में उन्ही पर ये गाज न गिरेगी इस बात से वो कितना अश्वस्थ हैं ?

जनसंख्या वृद्धि और धर्मांतरण के संबंध में सरकार को कड़े नियम और नीतियाँ बनानी चाहिए, ताकि जनसांख्यिकी संतुलन बरकरार रहे और देश और राज्य की सांस्कृतिक विविधता सुरक्षित रह सके। जनसंख्या नियंत्रण और धर्मान्तरण कानूनों का सख्ती से अनुपालन के माध्यम से ही समाज में संतुलन बनाए रखना संभव हो सकता है।

भारत की बदलती जनसांख्यिकी में मुस्लिम जनसंख्या का तेज़ी से बढ़ना और उसमें निहित कट्टर धार्मिक मान्यताएँ देश की धार्मिक और सांस्कृतिक संरचना के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर सकती हैं। यदि इस स्थिति को समय पर नियंत्रित नहीं किया गया, तो इसका असर केवल भारतीय बहुलता और संस्कृति पर ही नहीं पड़ेगा, बल्कि समाज में अस्थिरता और हिंसा की संभावना भी बढ़ जाएगी।

यह अत्यंत आवश्यक है कि सभी समुदाय इस स्थिति को समझें और समाज में शांति और संतुलन बनाए रखने के प्रयास में योगदान दें। विशेष रूप से हिंदू संगठनों का हस्तक्षेप जरूरी है ताकि वे समाज में एकता, धार्मिक सहिष्णुता और सांस्कृतिक धरोहर को सुरक्षित रखने का प्रयास कर सकें। हर नागरिक को इस विषय में जागरूक रहना चाहिए और अपने समाज की सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

भारत का भविष्य तभी सुरक्षित रह सकता है जब सभी समुदाय मिलकर देश की धार्मिक विविधता और सांस्कृतिक धरोहर की रक्षा करें। इस समय आवश्यकता इस बात की भी है कि सभी हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक नागरिक सतर्कता बरतें और एकजुट होकर समाज में अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करें। उन्हें यह ध्यान रखना होगा कि समाज में असमानता और असंतोष को जन्म देने वाली ताकतें अपनी जड़ें न जमा सकें।

आदमी पर घमंड जैसे सुअर पर चर्बी चढ़ती

शंकर शरण

सोल्झेनित्सिन ने लिखा है कि आदमी पर घमंड उसी तरह सहज चढ़ता है जैसे सुअर पर चर्बी चढ़ती है। यानी अनायास। ज् सोल्झेनित्सिन ने अपने दीर्घ, कठिन जीवन, और हजारों अन्य लोगों के जीवन के अवलोकन से पक्की तौर पर समझा था कि अच्छे और बुरे का भेद करने वाली रेखा हर मनुष्य की आत्मा से होकर गुजरती है। उसे राष्ट्रों, समाजों, दलों, मतवादों में कदापि निर्धारित नहीं किया जा सकता। गुलाग आर्किपेलाग की विरासत – 4 रूसी नागिरकों का सत्य बतलाते हुए सोल्झेनित्सिन ने अपने को देवता नहीं दिखाया है। उन्होंने नोट किया है कि अपनी गिरफ्तारी से पहले, जब कैप्टन सोल्झेनित्सिन द्वितीय विश्व युद्ध में लड़कर वापस आए, और आते ही उन को बंदी बना लिया गया (उन्होंने किसी मित्र को निजी पत्र में यह टिप्पणी की थी कि 'हमारे देश में हर बात में पार्टी की महानता जोडऩे की क्या झक है! यही लिखना उन का अपराध था जिस के लिए उन्हें गिरफ्तार किया गया और बारह साल कैद तथा यातना शिविरों में बिताना पड़ा। बल्कि स्टालिन की मृत्यु हो जाने से काफी लोगों को छोड़ा गया था, उसी में सोल्झेनित्सिन भी छूट गये। यानी, संयोगवश ही।) लेकिन सोल्झेनित्सिन लिखते हैं कि गिरफ्तार होने से पहले वे भी अपने को ऊँचा समझते थे, और सेना में अपने मातहतों के प्रति उन्होंने भी जब-तब अनुचित व्यवहार किया था। और कौन जाने यदि वे अपने सैनिक अफसर वाले कैरियर में ही सहज आगे बढ़ते जाते, तो अपने अहंकार में पता नहीं क्या करते होते! उन्होंने लिखा है कि आदमी पर घमंड उसी तरह सहज चढ़ता है जैसे सुअर पर चर्बी चढ़ती है। यानी अनायास। सो, सोवियत व्यवस्था की परिस्थितियों में, जहाँ विमानवीयकरण एक मूल तत्व था, कौन आगे चल कर क्या करता या न करता यह कहना असंभव है। अपनी गिरफ्तारी के बाद सोल्झेनित्सिन में जल्द ही निरंतर आत्म-निरीक्षण, पश्चाताप और आत्मसुधार की प्रवृत्ति बनती गई, जिस की झलक भी उन के लिखे विविध विवरणों में जहाँ-तहाँ मिलती है। एक ऐसी निर्णायक घटना सोल्झेनित्सिन ने 'गुलागज् में दर्ज की है। उन के साथ एक यहूदी कैदी था, बोरिस गम्मेरोव। एक बार यह खबर आई थी कि अमेरिकी राष्ट्रपति रूजवेल्ट ने कहीं पर प्रार्थना की। इस पर उपेक्षा से सोल्झेनित्सिन ने टिप्पणी की, अरे, यह तो बस पाखंड है। यह सुनकर भावना से काँपते हुए दुर्बल गम्मेरोव ने कहा, क्या कोई राजनेता सचमुच ईश्वर में विश्वास करने वाला नहीं हो सकता? तब सोल्झेनित्सिन को एक धक्का लगा, और उन्होंने महसूस किया कि उन्होंने विचार करके नहीं, बल्कि लापरवाही से ऐसी बात कही तो सोवियत शिक्षण और जीवन में अचेत रूप से स्वीकार कर ली थी। तब से उन्होंने विशेष ध्यान देना शुरू किया कि कौन सा निष्कर्ष विवेकपूर्ण है, और कौन सा बना-बनाया है। इस विषय पर उन के इस ग्रंथ में एक अध्याय ही है। दूसरे खंड के चौथे भाग 'आत्मा और कँटीले तार का पहला अध्याय उत्थान। जिस में वे दुर्भाग्य और कैद में अपने को अधिकाधिक गंभीर और सूक्ष्म चिंतन, मनन के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने इस पर ध्यान दिया कि ऐसे भयावह यंत्रणा शिविरों में भी कम ही कैदी आत्महत्या करते हैं। आखिर कुछ तो है जो उन के अंदर जीवित है, प्रेरित करता है। क्या मनुष्य में कोई ऐसी चीज भी है जो केवल जिन्दा रहने या खुशी खोजने से अलग है? सोल्झेनित्सिन ने लिखा है, कठिन जीवन मनुष्य की दृष्टि साफ करता है, उसे विवेक देता है। पर वह विवेक है क्या? क्या किसी भी कीमत पर जीना ही सर्वोपरि चीज है, दूसरों की कीमत पर भी? इसी प्रश्न के मोड़ पर दो अलग-अलग रास्ते बनते हैं। एक रास्ता ऊपर जाएगा, दूसरा नीचे। एक में तुम अपना जीवन खोओगे, दूसरे में अपनी अंतरात्मा। इसी मोड़ पर लोगों की आत्मा विभाजित होती है। अधिकांश वह रास्ता लेते हैं जिस में जीवन बचता है। पर यातना शिविरों में भी सोल्झेनित्सिन को अनेक ऐसे कैदी मिले जिन्होंने अंतरात्मा की कीमत पर कोई सुविधा लेने से इन्कार किया। उन्होंने ऐसे कुछ पात्रों की सत्य कथा भी पूरे-पूरे विस्तार से दर्ज की है। जैसे अन्ना स्क्रिपनिकोवा। जबकि सोवियत शिक्षा और नैतिकता ने लोगों को यह आम पाठ पढ़ाया था कि कम्युनिस्ट पार्टी का हित और आदेश ही नागरिकों के लिए सब से पहला नैतिक मानदंड है। जिस की अनिवार्य निष्पत्ति यह भी हो जाती थी, कि तब वैयक्तिक स्तर पर जिस में अपना हित है वही कार्य सही है। अर्थात कोई स्वतंत्र, हम सब से, पार्टी और देश से भी ऊपर, कोई नैतिक मूल्य नहीं है। ऐसे लोग कुछ भी अनुचित करने को तैयार हो सकते हैं जिन्होंने यह दयनीय मतवाद स्वीकार कर लिया है कि लोगों का जीवन बस सुख के लिए बना है। जब 'गुलाग के प्रकाशन के बाद सोल्झेनित्सिन को सोवियत संघ से निष्कासित किया गया, तब उन के बयानों में सुखवाद को क्षुद्र बता कर कठोर आलोचना से पश्चिमी बुद्धिजीवी क्षुब्ध हो जाते थे। उन्हें आशा थी कि सोल्झेनित्सिन यूरोप और अमेरिका में लोगों के उन्मुक्त जीवन की तारीफ करेंगे। पर सोल्झेनित्सिन ने मानवता को एक मानकर दूसरे लोगों, देशों की स्थिति से बेपरवाह केवल अपने सुख और उन्नति की चिन्ता, और केवल राष्ट्रीय हित और राष्ट्रवाद को अनैतिक बताया। यह भी, कि ऐसा देश पूरी तरह आश्वस्त भी नहीं रह सकता जब तक दूसरे देशों में जुल्म, अत्याचार, और अमानवीयता हो। उन की दृष्टि में न्याय और विवेक को राष्ट्रीय सीमाओं में विभाजित नहीं किया जा सकता। वह अखंड है। इन बातों पर पश्चिम बुद्धिजीवियों ने सोल्झेनित्सिन को सनकी धार्मिक कहा था। पर सोल्झेनित्सिन ने अपने दीर्घ, कठिन जीवन, और हजारों अन्य लोगों के जीवन के अवलोकन से पक्की तौर पर समझा था कि अच्छे और बुरे का भेद करने वाली रेखा हर मनुष्य की आत्मा से होकर गुजरती है। उसे राष्ट्रों, समाजों, दलों, मतवादों में कदापि निर्धारित नहीं किया जा सकता। अतः किसी कार्य का परिणाम नहीं, बल्कि उसे कोई कैसे, किस भावना और मूल्य के लिए करता है – इस से उस कार्य का वास्तविक अर्थ तय होता है। तब आप अपनी दुर्बलता देख पाते हैं, और दूसरों की कमजोरियाँ भी। यानी, तब आप का चारित्रिक उत्थान होता है। आप की आत्मा जो पहले रूखी थी, अब कष्ट झेल कर परिपक्व होती है। आप अपने जीवन की परीक्षा करते हैं और पाते हैं कि आप ने कितने बुरे और लज्जाजनक काम किये थे। सोल्झेनित्सिन याद करते हैं कि कई बार बुरे काम करते हुए वे आश्वस्त थे कि वे सही कर रहे हैं। अनेक बार जब वे अपने को बिलकुल निष्कलंक समझ? रहे थे, तो वस्तुतः भूल पर थे। जब उन्होंने समझा था कि कोई ईश्वर नहीं है, तब ईश्वर उन के साथ था!

मेष : कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। सगे-संबंधियों के बीच तालमेल बैठाकर चलें। कुछ नये कार्यों के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। जीवन साथी का भावनात्मक स्नेह मिलेगा।

बृषभ : विरोधियों की प्रबलता से कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां संभव। जीविका क्षेत्र में नये आयाम उत्साहित करेंगे। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलें। शिक्षा-प्रतियोगिता में परिश्रम सार्थक होगा।

मिथुन : किसी सहकर्मी के खराब व्यवहार से कष्ट संभव। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। घरेलू संबंधों में कटुता न आने दें। महत्वपूर्ण स्थिति में आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाताप संभव।

कर्क : किसी विपरीतलिंगी संबंध के प्रति आकर्षित होंगे। रोजगार में समस्याओं से हतोत्साहित न हों। अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखें क्योंकि आगे बहुत सारी सफलताएं मिलेंगी। पुराने संबंधी से आकस्मिक भेंट होगी।

सिंह : जीवन साथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। रोजगार की समस्याओं से चिंता होगी। किसी बड़ी यात्रा के प्रति उत्साहित होंगे। असीम प्रतिभाओं के बावजूद हीन मन प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। इसे सुधारें।

कन्या : कोई महत्वपूर्ण आकांक्षा अपनी सार्थकता हेतु आपको उद्वेलित करेगी। दूसरों की आलोचना का असर अपने मनोबल पर न पडऩे दें। ग्रहों की अनुकूलता प्रगति के अच्छे अवसर प्रदान करेगी।

तुला : कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। आर्थिक प्रगति के लिए मन में नई युक्तियों पर केंद्रित होगा। कुछ नई सफलताएं सुखों का आगाज करेंगी। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा।

वृश्चिक : बीती बातों को भूल वर्तमान में जीने की चेष्ठा करें। कल्पनाएं व आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु आपको उद्वेलित करेंगी। निर्थक दूसरों की पीठ पीछे आलोचना न करें, अन्यथा छवि कुप्रभावित हो सकती है।

धनु : दूसरों की सफलता से अपने अंदर हीन भावना न आने दें। नौकरी का वातावरण थोड़ा अरुचिकर होगा तथा स्थान परिवर्तन भी संभव। दूसरों की बात इधर से उधर न करें। घर में खुशहाली रहेगी।

मकर : रोजगार में कुछ आकस्मिक सफलता मिलेगी। घरेलू दायित्वों की पूर्ति में व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से प्रसन्न होंगे। कार्यक्षेत्र में अपनी क्षमताओं का भरपूर लाभ उठाने का समय आ गया है।

कुंभ : रोजगार क्षेत्र में नये अवसर उत्साह का संचार करेंगे। महत्वपूर्ण स्थिति में आवेश में लिये गये निर्णय से हानि की आशंका है। राजनीतिज्ञों की सरगर्मियां बढ़ेंगी। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा।

मीन : आपकी सारी समस्याएं खुद सुलझ जाएंगी, थोड़ा धैर्य पूर्वक वक्त का इंतजार करें। किसी नई दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी।

शब्द सामर्थ्य -223

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे

1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ लगाने तथा मैला साफ करने वाला 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पाचवां हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

1		■	2	3	■	4	5	6
	■	7			■	■	8	
9			■	10		11	■	
■	■	12			■	13	14	
15	16		■	■	■	17		■
18		■	19	20			■	21
■	22	23			■	■	■	
■	■		■	■	24	■	25	
26			■	27				

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 222 का हल

वि	ज	य	■	ब	नि	या	■	दे
वा	■	ती	त	र	■	रा	जी	व
ह	मा	म	■	स	प	ना	■	ता
■	न	■	■	■	टा	■	■	■
दा	व	त	■	वि	ना	श	■	अ
य	■	ह	त्या	■	■	ह	र्जा	ना
रा	ह	त	■	न	ज	र	■	व
■	वा	■	■	■	मी	■	ना	श्य
दु	ला	रा	■	जा	न	की	■	क

सूडोकु नवताल- 7235

★★★★☆ मध्यम

		5			8			3
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6			7			1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
6			2			7		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7234 का हल

9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

पंड्या, बुमराह सहित इन तीन खिलाड़ियों को रिटेन करेगी मुम्बई इंडियंस : हरभजन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र के लिए मुंबई इंडियंस टीम कप्तान हार्दिक पंड्या के अलावा प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को रिटेन करेगी। पिछले दो से तीन वर्षों में टीम का प्रदर्शन खराब रहा है। ऐसे में इस बार टीम के खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेंगे। हरभजन ने ये भी कहा कि अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा को टीम में बरकरार रखा जाना चाहिये। हरभजन ने युवा खिलाड़ी तिलक वर्मा की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि उसे भी टीम में रखा जाना चाहिये। इसके अलावा अनकैप्ड खिलाड़ी के तौर पर नेहल वढेरा को भी रखना चाहिये।

हरभजन ने कहा कि मुंबई ने पिछले दो से तीन साल में अच्छा नहीं खेला है जबकि वह एक चैंपियन टीम रही है। मेरा मानना है कि वे निश्चित रूप से एक मजबूत टीम बनाना चाहेंगे। इसका मतलब यह नहीं है कि वे इस साल अनुभवी खिलाड़ियों को नहीं जोड़ेंगे। पिछले साल, उन्होंने पंड्या को कप्तान बनाया था। ऐसे में मुझे लगता है कि उन्हें निश्चित रूप से बरकरार रखा जाएगा। वहीं रोहित को लेकर कहा कि उन्होंने हाल ही में कप्तान के रूप में विश्व कप जीता है, इसलिए मुझे लगता है कि उन्हें भी बरकरार रखा जाना चाहिए। इन चारों के अलावा यदि कोई पांचवां खिलाड़ी है, तो वो है तिलक। तिलक उन खिलाड़ियों में से एक हैं जो भविष्य में मुंबई इंडियंस के लिए मैच विजेता होंगे। वहीं गेंदबाजी में नेहल एक अच्छा विकल्प हो सकते हैं। वह एक अनकैप्ड खिलाड़ी है, इसलिए उसे शामिल किया जाना चाहिए। दूसरी ओर पंजाब किंग्स के लिए संभावित आईपीएल रिटेंशन को लेकर कोच टॉम मूडी ने कहा कि वह इसके जरिये कुछ अच्छे अनकैप्ड खिलाड़ियों को सुरक्षित करना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब किंग्स के लिए मुझे नहीं लगता कि मैं किसी भी खिलाड़ी को रिटेन करूंगा, निश्चित रूप से कैप्ड खिलाड़ियों को नहीं पर मैं अर्शदीप सिंह, सैम कुरेन और रबाडा जैसे खिलाड़ियों के लिए राइट-टू-मैच विकल्प का उपयोग करना चाहूंगा। इसके अलावा जितेश शर्मा के लिए मैं नीलामी में राइट-टू-मैच का उपयोग करने पर विचार करूंगा। इसके साथ ही जब अनकैप्ड खिलाड़ियों की बात आती है, तो कुछ अच्छे खिलाड़ी हैं जिन्हें मैं नीलामी से पहले सुरक्षित करना चाहूंगा।

रमीज ने अपने बयान का बचाव करते हुए कहा, सोशल मीडिया ने उसे विवादास्पद बना दिया

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पूर्व अध्यक्ष रमीज राजा हाल में की गयी अपनी एक टिप्पणी के लिए विवादों में आ गये थे। रमीज ने इंग्लैंड पर पाकिस्तान की 2-1 टेस्ट सीरीज जीत के बाद टेस्ट टीम के कप्तान शान मसूद से पूछा था कि पिछले लगातार छह हार टीम को कैसे मिलीं। वहीं अपने बयान का बचाव करते हुए रमीज ने कहा कि उनका इरादा टीम की उपलब्धि को कम करना नहीं बल्कि यह पता लगाना था कि उन्होंने हाल की मुश्किलों को किस प्रकार पार किया। इस पूर्व क्रिकेअर ने कहा, मैंने कुछ सवाल पूछे और मेरा लक्ष्य किसी को नीचा दिखाना या पाकिस्तान की जीत को नकारात्मक रूप में पेश करना नहीं था। एक कमेंटेटर के तौर पर पाकिस्तान जितना ज़्यादा जीतता वह हम सभी के लिए फयदेमंद रहता क्योंकि उससे अधिक से अधिक अवसर हमारे पास आते। उन्होंने सोशल मीडिया को लेकर कहा, आजकल लगता है सोशल मीडिया ही जीवन हो गया है। उन्होंने कहा कि इसी कारया लोग उनकी टिप्पणियों को गलत समझने लगे। उन्होंने कहा, अगर मैं अपना जीवन सोशल मीडिया की बातों के आधार पर जीता, तो मैं इस क्षेत्र में नहीं होता। ऐसे कई लोग हैं जो क्रिकेट नहीं खेले हैं पर विशेषज्ञों की तरह बातें करते हैं। राजा ने ये भी कहा कि उनका इरादा शान मसूद की कप्तानी पर सवाल उठाने का नहीं था पर उनकी बात को गलत बताकर विवाद शुरु कर दिया गया।

पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर ने कहा, जब बांग्लादेश ने 2-0 से जीत हासिल की, तो मैंने किसी को हटाने के लिए नहीं कहा। मैं सीरीज जीतने के बाद शान की कप्तानी पर सवाल क्यों उठाऊंगा? वहीं इससे पहले इससे पहले मोहम्मद आमिर ने रमीज की टिप्पणियों की सार्वजनिक रूप से आलोचना की थी, जिसमें कहा गया था कि पूर्व अध्यक्ष को पिछली विफलताओं को सामने लाने की जगह सीरीज जीत का जश्न मनाने पर ध्यान देना चाहिए था। आमिर ने कहा, आपको सीरीज जीत का जश्न मनाना चाहिए। आपके बगल में एक सीरीज जीतने वाला कप्तान बैठा है। आपको उससे जीत और अगली योजनाओं के बारे में पूछना चाहिए था। लेकिन आप उसका मजाक उड़ा रहे हैं। थोड़ा सम्मान करें। आप पढ़े-लिखे लोग हैं और आपको भी वैसा ही व्यवहार करना चाहिए। जहां श्रेय देना है, आपको देना चाहिए।

अर्शदीप, जितेश और करण जैसे खिलाड़ियों को आरटीएम से अपने पास रखेगी पंजाब : मूडी

नई दिल्ली। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर और कोच टॉम मूडी का मानना है कि आईपीएल सत्र में पंजाब किंग्स टीम इस साल के अंत में होने वाली मेगा नीलामी से पहले अर्शदीप सिंह, जितेश शर्मा, सैम करन और कगिसो रबाडा को राइट टू मैच (आरटीएम) विकल्प के जरिये अपने पास रखेगी। माना जा रहा है कि पंजाब अपनी मौजूदा टीम से कुल छह खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती हैं। यह या तो रिटेंशन के जरिए या राइट टू मैच विकल्प के जरिए किया जा सकता है। रिटेंशन और आरटीम के जरिये अधिक से अधिक छह खिलाड़ी जोड़े जा सकते हैं। इसमें अधिकतम पांच कैप्ड खिलाड़ी (भारतीय और विदेशी) और अधिकतम दो अनकैप्ड खिलाड़ी हो सकते हैं। आईपीएल 2025 के लिए फ्रेंचाइजी ने नीलामी पर्स 120 करोड़ रुपये तय किया है। मूडी ने संभावित आईपीएल रिटेंशन को लेकर कहा, पंजाब किंग्स के लिए मुझे नहीं लगता कि मैं किसी भी खिलाड़ी को रिटेन करूंगा, निश्चित रूप से कैप्ड खिलाड़ियों को नहीं पर मैं अर्शदीप सिंह, सैम करन और रबाडा जैसे खिलाड़ियों के लिए राइट टू मैच विकल्प का उपयोग करना चाहूंगा। इसके अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा के लिए मैं राइट टू मैच का उपयोग करने पर विचार करूंगा। उन्होंने पंजाब के संभावित रिटेंशन के तौर पर अनकैप्ड शशांक सिंह और हरप्रीत बरार को रखा है, जिससे उनकी छह खिलाड़ियों की सूची पूरी हो जाएगी। शशांक पिछले सत्र में 164.65 की स्ट्राइक रेट से 354 रन बनाकर फ्रेंचाइजी के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने थे, जिसमें दो अर्धशतक शामिल थे। वहीं दूसरी ओर, हरप्रीत ने 13 मैचों में सात विकेट लिए। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, जब अनकैप्ड खिलाड़ियों की बात आती है, तो कुछ अच्छे खिलाड़ी हैं जिन्हें मैं नीलामी से पहले टीम में शामिल करना चाहूंगा। शशांक एक शानदार मध्यक्रम पावर हिटर हैं जबकि हरप्रीत बरार बाएं हाथ के स्पिनर हैं। साल 2024 के संस्करण में पंजाब किंग्स का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में इस बार वह अपनी टीम में बेहतर खिलाड़ियों को जोड़ना चाहेगी।

क्लासेन सहित तीन विदेशी और दो भारतीय खिलाड़ियों को रीटेन कर सकती है सनराइजर्स

हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद फ्रैंचाइजी इस बार तीन विदेशी और दो भारतीय खिलाड़ियों को रीटेन कर सकती है। अब तक उसने ये सार्वजनिक नहीं किया है कि किन खिलाड़ियों को रिटेन किया जाएगा पर जैसे-जैसे आईपीएल रीटेंशन की आखिरी तारीख नजदीक आ गई है। उसको लेकर अटकलें लगायी जा रही हैं। माना जा रहा है कि ये खिलाड़ी हेनरिक क्लासेन, पैट कमिंस , ट्रेविस हैड के अलावा अभिषेक शर्मा व नीतीश कुमार रेड्डी होंगे। ज्यादातर टीमों ने रीटेन किए जाने वाले खिलाड़ियों की सूची बना ली है।सभी टीमों को रीटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची इस साल के अंत तक बीसीसीआई को सौंपनी है। सनराइजर्स ने आईपीएल 2024 के लिए ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस को 20.50 करोड़ रुपए में खरीदा था। कमिंस आईपीएल 2024 में मिचेल स्टार्क 24.75 करोड़ के बाद सबसे महंगे खिलाड़ी बने थे पर आईपीएल 2025 में कमिंस को कम रकम मिलेगी। अनुमान है कि सनराइजर्स दक्षिण अफ्रीका के हेनरिक क्लासेन को 23 करोड़ रुपए में रीटेन कर सकती है। क्लासेन विकेटकीपपर भी हैं। इस रिपोर्ट्स के अनुसार सनराइजर्स क्लासेन के अलावा पैट कमिंस और अभिषेक शर्मा को भी रीटेन करेगी। इसके अलावा ट्रैविस हेड और नीतीश कुमार रेड्डी को भी टीम में बरकरार रखा जाना तय है। कमिंस को 18 करोड़ और अभिषेक शर्मा को 14 करोड़ में रीटेन किया जा सकता है। कमिंस ही अगले सत्र में भी सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी करते नजर आ सकते हैं। आईपीएल में कोई भी फ्रेंचाइजी एक सत्र में खिलाड़ियों पर ज्यादा से ज्यादा 120 करोड़ खर्च कर सकती है। सनराइजर्स हैदराबाद आईपीएल 2024 के फाइनल में पहुंची थी पर वह खिताब नहीं जीत पायी थी। कोलकाता नाइटराइडर्स ने सनराइसर्ज हैदराबाद को हराकर आईपीएल का खिताब जीता था

व्यापार

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशियाई बाजारों में भी गिरावट का रुख

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान मामूली बढ़त के साथ कारोबार होता रहा। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज सांकेतिक तेजी के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं, एशियाई बाजारों में भी आज गिरावट नजर आ रही है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार उतार-चढ़ाव के बीच कारोबार होता रहा। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,832.92 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 145.56 अंक यानी 0.78 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,712.75 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक बढ़त के साथ 42,239.114 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.80 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,219.61 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.61 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,511.11 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.27 प्रतिशत टूट कर 19,478.07 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में आज आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 7 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। निक्केई इंडेक्स 432.78 अंक यानी 1.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ 39,336.46 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,956 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,410.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.89 प्रतिशत टूट कर 3,558.40 अंक के स्तर तक गिर गया है। हैंग सेंग इंडेक्स में आज बड़ी गिरावट आई है। फिलहाल ये सूचकांक 375.49 अंक यानी 1.81 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 20,325.65 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 1.09 प्रतिशत लुढ़क कर 2,589.19 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.06 प्रतिशत फिसल कर 1,450.27 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स से 0.97 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,532.97 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.87 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,258.05 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

गोयल ने श्नाइडर इलेक्ट्रिक के सीईओ से की मुलाकात, कई मुद्दों पर हुई बातचीत

रियाद/नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को श्नाइडर इलेक्ट्रिक के मुख्य कार्यपालक अधिकार (सीईओ) पीटर हर्वेक के साथ मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने निवेश, स्थिरता और नवाचार योजनाओं पर चर्चा की। वाणिज्य मंत्री कार्यालय ने एक्स पोस्ट पर यह जानकारी साझा करते हुए बताया कि पीयूष गोयल ने वैश्विक कंपनी श्नाइडर इलेक्ट्रिक के सीईओ पीटर हर्वेक के साथ मुलाकात की है। गोयल ने मुलाकात के दौरान भारत के लिए कंपनी की निवेश योजनाओं पर बातचीत की कि ये कैसे देश के प्रतिभा पूल और सरकारी समर्थन का लाभ उठाकर दुनिया को उच्च तकनीक, टिकाऊ और ऊर्जा कुशल समाधान प्रदान कर सकती है। दरअसल श्नाइडर इलेक्ट्रिक एक वैश्विक कंपनी है, जिसकी हमारे देश में मजबूत उपस्थिति है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल सऊदी अरब के रियाद में आयोजित फ्यूचर इन्वेस्टमेंट इनिशिएटिव (एफआईआई) के 8वें संस्करण में भाग लेने के लिए दो दिवसीय दौरे पर हैं। यह एक ऐसा सम्मेलन है, जिसमें दुनियाभर के नेता, निवेशक और विचारक एक साथ आते हैं।

छोटी दिवाली के दिन महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज छोटी दिवाली के दिन सोना 620 से 670 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। सोने की तरह ही चांदी की कीमत में आज 1,200 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। सोने की कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज एक बार फिर 80 हजार रुपये के स्तर को पार कर के 80,610 रुपये से लेकर 80,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 73,910 रुपये से लेकर 73,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इस चमकीली धातु की कीमत आज 99,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 80,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,910 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 80,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 80,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 73,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 80,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 73,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 80,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 80,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 73,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 80,510 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 73,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 80,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। ज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज कीमत में तेजी आने के कारण सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 80,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 73,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

धनतेरस पर ब्रिटेन से वापस आया 102 टन सोना, भारत के पास 855 टन सोने का भंडार

मुंबई/नई दिल्ली। धनतेरस पर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने ब्रिटेन से 102 टन सोना भारत वापस शिफ्ट कर लिया है। सितंबर के अंत में आरबीआई के पास कुल 855 टन सोने का भंडार था, जिसमें से 510.5 टन सोना देश में रखा गया है। रिजर्व बैंक की विदेशी मुद्रा भंडार के प्रबंधन पर जारी हालिया रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है। बैंक नियामक ने एक बयान में कहा है कि आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही मार्च-सितंबर 2024 के बीच बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (बीआईएस) में सुरक्षित रखे गए 102 टन सोने को भारत वापस लाया है। आरबीआई के पास अब उसके कुल 854.73 टन सोने के भंडार का 60 फीसदी हिस्सा (510.5 टन सोना) घरेलू स्तर पर है। आरबीआई ने सितंबर 2022 के बाद से 214 टन सोना देश में लाया है। इससे पहले बैंक नियामक ने 31 मई को 100 टन सोना वापस भारत लाया था। एक रिपोर्ट में कहा गया था कि यूके से 100 टन सोना भारत लाया गया है। दरअसल 1990 के दशक की शुरुआत में भारत की आर्थिक स्थिति कमजोर हो गई थी, जिसकी वजह से उसे सोना गिरवी रखना पड़ा था। यह पहली बार था, जब इतनी मात्रा में सोना भारत में वापस आया था। पिछली बार की तरह आरबीआई और सरकार ने सोने को देश में लाने के लिए स्पेशल एयरक्राफ्ट और सिक्योरिटी अरेंजमेंट के साथ एक सीक्रेट मिशन चलाया। उल्लेखनीय है कि आरबीआई केवल भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी सोना रखता है। दुनिया के सभी देशों के केंद्रीय बैंक सोना को अलग-अलग जगहों पर सुरक्षित रखना चाहते हैं ताकि जोखिम कम हो सके। अगर देश में आपदा या राजनीतिक अस्थिरता से आर्थिक स्थिति खराब होती है तो इससे उबरने में विदेशों में रखा सोना ही काम आता है। प्राकृतिक आपदाओं से भी सोने के भंडार को नुकसान पहुंच सकता है। ऐसे में अलग-अलग जगह सोना रखने से यह जोखिम कम होता है।

कई केंद्रीय बैंकों के लिए सोने का भंडारगृह है ब्रिटेन- ब्रिटेन का बैंक ऑफ इंग्लैंड परंपरागत रूप से दुनिया के कई केंद्रीय बैंकों के लिए सोने का भंडारगृह रहा है। भारत की आजादी से पहले से ही कुछ मात्रा में सोना लंदन में जमा है, क्योंकि आजादी से पहले ब्रिटेन बैंक ऑफ इंग्लैंड में भारत का सोना रखता था। इसलिए आजादी के बाद भी, भारत ने कुछ सोना लंदन में ही रखा हुआ है। आरबीआई की रिपोर्ट के मुताबिक अब 324 टन सोना बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स की सेफ कस्टडी में रखा गया है। दरअसल बैंक ऑफ इंग्लैंड में कई देश भी अपना सोना रखते हैं। ये न्यूयॉर्क फेडरल रिजर्व के बाद दूसरा सबसे बड़ा गोल्ड कस्टोडियन है। ब्रिटेन का बुलियन वेयरहाउस 1697 में बनाया गया था। इसमें लगभग 4 लाख गोल्ड बार हैं। सितंबर में इन तिजोरियों में करीब 5,350 टन सोना था।

मिर्जापुर द फिल्म का धांसू टीजर हुआ रिलीज, बड़े पर्दे पर होगा भौकाल

गद्दी के लिए होगा मौत का खेल

मिर्जापुर द फिल्म की घोषणा कर दी गई है। फरहान अख्तर ने इंस्टाग्राम पर आखिरकार लंबे समय से चल रही अटकलों की पुष्टि करते हुए खुलासा कर दिया है कि मिर्जापुर पर फिल्म बनाई जा रही है। फिल्म निर्माता जो सीरीज के सह-निर्माता भी हैं। उन्होंने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु का भौकाल देखने को मिल रहा है। फिल्म की घोषणा भी बिल्कुल मिर्जापुर स्टाइल में कि गई है। उन्होंने खुलासा किया कि छोटे पर्दे का जादू अब बड़े पर्दे पर भी छाएगा। वहीं मिर्जापुर द फिल्म की स्क्क में जबरदस्त बदलवा देखने को मिलने वाला है। वेब सीरीज मिर्जापुर सीजन 3 की रिलीज के महीनों बाद निर्माताओं ने अब मिर्जापुर द फिल्म की घोषणा कर दी है। सोशल मीडिया पर प्राइम वीडियो इंडिया ने पंकज त्रिपाठी, अली फजल, अभिषेक बनर्जी और दिव्येंदु पर आधारित एक वीडियो शेयर कर तहलका मचा दिया है। 2 मिनट से ज्यादा लंबे इस वीडियो में दिव्येंदु की वापसी का भी संकेत दिया गया है, जिन्होंने वेब सीरीज में मुन्ना त्रिपाठी का किरदार निभाया था। दूसरे सीजन में उनके किरदार को मार दिया गया था और तीसरे में व दिखाई नहीं दिए थे। इस बार मिर्जापुर की गद्दी के लिए गुड्डू पंडित और मुन्ना भैया के बीच खतरनाक वॉर देखने को मिलने वाली है। फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, अभिषेक बनर्जी और दिव्येंदु के अलावा किसी भी कलाकार को लेकर अभी तक कोई जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, ऐसा लग रहा है कि पुराने कलाकार अपनी भूमिकाएं फिर से निभा सकते हैं। पहले ऐसी अफवाहें थीं कि ऋतिक रोशन कालीन भैया की भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि, निर्माताओं की ओर से अभी तक इस बारे में कोई पुष्टि नहीं की गई है। एक्सेल एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन ने क्राइम थ्रिलर का पहला सीजन नवंबर 2018 में और दूसरा सीजन अक्टूबर 2020 में रिलीज किया था। शो का तीसरा सीजन जुलाई 2024 में रिलीज हुआ था। पुनीत कृष्णा द्वारा निर्मित और गुरमीत सिंह द्वारा निर्देशित, मिर्जापुर फिल्म 2026 में रिलीज होने वाली है। इसमें पंकज (कालीन भैया), अली फजल (गुड्डू पंडित) और दिव्येंदु (मुन्ना) की वापसी होगी, साथ ही अभिषेक बनर्जी भी होंगे, जो सीरीज में कंपाउंडर की भूमिका में दिखाई दिए थे।

अवनीत कौर ने स्टायलिश लेदर आउटफिट में स्विमिंग पूल के किनारे दिए किलर पोज

अवनीत कौर ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ ऐसी तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं, जिनसे सोशल मीडिया का तापमान काफी बढ़ गया है. अवनीत ने ग्रीन लेदर आउटफिट में स्विमिंग पूल के किनारे किलर पोज देते हुए तस्वीरें खिंचवाई हैं. उनकी स्टाइलिश ड्रेस, हल्का मेकअप, बड़े ईयररिंग्स, ब्रेसलेट और खास अंदाज में बंधे हुए बाल उनके लुक को और भी ग्लैमरस बना रहे हैं. इन तस्वीरों में अवनीत ने अपने स्टाइलिश लुक से फैंस को मंत्रमुग्ध कर दिया है. उनके इस लेदर आउटफिट ने सोशल मीडिया पर हॉटनेस का जलवा बिखेर दिया है, और फैंस कमेंट सेक्शन में उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं. बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज फैंस के बीच शेयर करती हैं तो उनका हर एक लुक पर लोग अपना दिल हार जाते हैं और साथ ही लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस अवनीत कौर हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। अवनीत कौर को घूमना-फिरना बेहद पसंद है। उनका इंस्टाग्राम इस बात का सबूत है। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक फोटोज पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। अवनीत का यह स्टाइलिश और बोल्ड अवतार इंस्टाग्राम पर वायरल हो चुका है, जिसमें उनकी बेहतरीन पोजिंग स्किल्स भी नजर आ रही हैं.

जिगरा ने छूआ 30 करोड़ रुपये की कमाई का आकंड़ा, जानिए अब तक का कारोबार

आलिया भट्ट और वेदांग रैना की फिल्म जिगरा को सिनेमाघरों में रिलीज का यह तीसरा सप्ताह चल रहा है। हालांकि, यह पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों के लिए तरस रही है।फिल्म 11 अक्टूबर को हिंदी के साथ तेलुगु भाषा में रिलीज किया गया था। 17 दिन बाद इसने 30 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया है।अब फिल्म की कमाई के 17वें दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं, जिसमें मामूली उछाल देखने को मिला है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, जिगरा ने रिलीज के 17वें दिन यानी तीसरे रविवार को 75 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 31.10 करोड़ रुपये हो गया है।फिल्म के निर्देशन की कमान वासन बाला ने संभाली है। करण जौहर इस फिल्म के निर्माता हैं। आलिया भी फिल्म की सह-निर्माता हैं।जिगरा का बजट 80 करोड़ रुपये बताया जा रहा है और यह अपनी लागत का आधा पैसा भी नहीं कमा सकी है। जिगरा की असफलता के बाद अब आलिया फिल्म अल्फा के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करती हुई नजर आएंगी। इस फिल्म में आलिया के साथ शरवरी वाघ भी दिखाई देंगी।अल्फा अगले साल क्रिसमस के खास मौके पर यानी 25 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

प्रियंका पसंदीदा अभिनेता के रूप में शाहरुख का कई बार ले चुकी है नाम

अंतरराष्ट्रीय एक्ट्रेस प्रियंका चोपडा कई बार अपने पसंदीदा अभिनेता के रूप में शाहरुख खान का नाम ले चुकी हैं। साल 2006 में सिमी गरेवाल के साथ एक साक्षात्कार में प्रियंका ने खुलकर बताया था कि वह शाहरुख खान की बहुत बड़ी प्रशंसक हैं। उन्होंने इस बातचीत में शाहरुख खान के अलावा सलमान खान, अभिषेक बच्चन, आमिर खान और ऋतिक रोशन जैसे कई अभिनेताओं का जिक्र किया, जिन्हें उन्होंने एक आदर्श व्यक्ति के गुणों के रूप में प्रस्तुत किया। प्रियंका ने कहा, शाहरुख खान का करिश्मा, ऋतिक रोशन की कमजोरी, अभिषेक बच्चन की हिम्मत, सलमान खान का लुक, अजय देवगन की तेजी, आमिर खान की ईमानदारी जैसी बातें कहीं। इसके अलावा, रोमांस पर बातचीत करते हुए प्रियंका ने रोमांटिक उपन्यासों, विशेष रूप से मिल्स एंड बून श्रृंखला के प्रति अपने रुझान का भी खुलासा किया। उन्होंने यह भी बताया कि वह बेहद भावुक हैं

और जल्दी किसी चीज़ पर विश्वास कर लेती हैं, जिस पर उनके चचेरे भाई अक्सर मजाक करते हैं। प्रियंका और शाहरुख ने एक साथ डॉन और डॉन 2 फिल्मों में काम किया है। बता दें कि प्रियंका की शाहरुख से पहली मुलाकात साल 2000 में मिस इंडिया वर्ल्ड प्रतियोगिता के दौरान हुई थी, जहां शाहरुख जजों में से एक थे। हाल ही में, प्रियंका अपनी वेब सीरीज सिटाडेल सीजन 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें वह विशेष एजेंट नादिया सिंह की भूमिका को दोहरा रही हैं। इस सीरीज का निर्देशन रूसो ब्रदर्स ने किया है, और इसमें रिचर्ड मैडेन भी हैं, जो मेसन केन/काइल कॉनरॉय की भूमिका में लौट रहे हैं। बता दें कि बॉलीवुड और हॉलीवुड की मशहूर अदाकारा प्रियंका चोपड़ा अक्सर अपने नए लुक्स और हॉलीवुड में दमदार किरदारों के लिए जानी जाती हैं। प्रियंका कई बार अपने पसंदीदा अभिनेता के रूप में शाहरुख खान का नाम ले चुकी हैं।

सई ताम्हणकर ने थिएटर को बताया महाराष्ट्रीयन संस्कृति का अभिन्न

अभिनेत्री सई ताम्हणकर मिमी, हंटर, दुनियादारी में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। अभिनेत्री ने मराठी समुदाय में थिएटर पर अपनी राय साझा की है। अभिनेत्री ने हाल ही में रिलीज अपनी ओटीटी सीरीज मनवत मर्डर्स की सफलता के बीच बात की। थिएटर के मराठी संस्कृति का एक अभिन्न अंग होने के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि मराठी थिएटर एक महाराष्ट्रीयन घर की दिनचर्या का हिस्सा है। दोपहर के भोजन के बाद मुझे याद है कि मेरे दादा-दादी हमेशा एक नाटक देखने की योजना बनाते थे और यह उनकी दिनचर्या का एक हिस्सा हुआ करता था। एक औसत मराठी घर में नाटक देखना हमारे खून में है। मराठी थिएटर में बहुत दर्शक हैं। उन्होंने बताया कि अब भारत सिफर्.सीमा या मानदंड नहीं है, विभिन्न देशों में बहुत सारे नाटक खेले जाते हैं और मुझे खुशी है कि यह परंपरा हमारे जीवन का अभिन्न अंग है, पूरी दुनिया में यह पहुंच रहा है। अभिनेत्री ने ऑस्कर नामांकित निर्देशक आशुतोष गोवारिकर के साथ 'मनवत मर्डर्स में काम करने के अपने अनुभव को भी साझा किया। इस दौरान उन्होंने कहा वह बहुत ही अलर्ट व्यक्ति हैं। मैंने अपने जीवन में बहुत कम शालीन पुरुष देखे हैं और मुझे लगता है कि वह उनमें से एक हैं। वह एक अच्छे व्यवहार वाले इंसान हैं। मैंने उन्हें कभी भी निर्देशक की दृष्टि को निर्देशित करते या पूछते नहीं देखा और यह उनके बारे में अविश्वसनीय रूप से सुंदर बात है। उनकी कल्ट-क्लासिक फिल्म 'हंटर को रिलीज हुए लगभग एक दशक हो गया है। फिल्म पर काम करने के अपने अनुभव के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने को बताया जब आप कोई फिल्म बना रहे होते हैं तो आप वास्तव में नहीं जानते कि भविष्य में उस विशेष फिल्म के लिए क्या है? उन्होंने कहा कि यह एक बहुत ही खास प्रोजेक्ट है। भले ही हंटर की रिलीज को नौ साल हो गए हों, हमारी टीम आज भी हर साल मिलती है। हम उस एक दिन के लिए पार्टी करते हैं, हम बस पुरानी यादों में वापस जाते हैं और उन यादों को फिर से जीते हैं। अभिनेत्री ने अपनी आगामी परियोजनाओं के बारे में भी बात की। 'ग्राउंड जीरो और 'डब्बा कार्टेल के बारे में भी अपडेट दिया। उन्होंने बताया कि ग्राउंड जीरो लगभग तैयार है, जिसे लेकर वह उत्साहित हैं। 'डब्बा कार्टेल पोस्ट-प्रोडक्शन में है। यह प्रोजेक्ट वास्तव में खास है और मैं बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। अभिनेत्री ने कहा मैं एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ तीसरी बार काम कर रही हूं। यह एक खूबसूरत प्रोडक्शन हाउस है। मैं इमरान हाशमी के साथ 'ग्राउंड जीरो में काम करने को लेकर उत्साहित हूं।

If Jan Suraj Voted To Power, It will Ensure Better Future Of State - PK

Sanjeev Jaiswal

RAMGARH (KAIMUR) : Prashant Kishore, the architect of Jan Suraj, is constantly making people aware of their rights and the power of their vote through public dialogue regarding the upcoming by-elections. Prashant Kishore interacted with the local people at Yagya Shala Ground (Kalyanpur), S.N. Singh English School (Ramgarh), Badha Ground (Akolhi, Nuaon), Middle School Ground (Sadullahpur, Darwan), and Sisera village. Apart from this, he also met people at GB Hotel (Devkali, Akorhi, Mohaniya). A large number of people reached all these places to listen to his views and give their support to Jan Suraj. Prashant Kishore promised the people of Ramgarh that if Jan Suraj candidate Sushil Kushwaha wins, then in the coming days Jan Suraj will ensure better education, health, irrigation, and employment opportunities for the people of the region.

Prashant Kishore also discussed the works of Chief Minister Nitish Kumar. Accusing the Nitish Kumar government, Prashant Kishore said that corruption was spread in the name of farm-land survey and bribes were taken from general public. He warned the public that if BJP is voted to power, this survey can be started again, which will create problems for you people. Prashant Kishore further said, whatever land you have, those who will not be able to get their sister, aunt or aunt's son to sign, they will not be able to sell that land. You will be able to farm on that land, but its ownership rights will end and Nitish Kumar is doing all this.

If you vote for BJP, Nitish Kumar will remain the Chief Minister in 2025. Prashant Kishore emphasized that due to the alliance of BJP and Nitish Kumar, the problems of the people are increasing. He urged the people to make the area a beautiful one by supporting Jan Suraj and said that if you vote for the BJP, your every vote will strengthen the power of Nitish Kumar and this will pose a threat to the rights of the people. Attacking RJD president Jagdanand Singh sharply, PK said that Mr Singh considers this area as his home area for 35 years. The RJD candidate, Jagdanand Singh's son, will be at third or fourth place here.

The Muslim community here does not love Lalu or Jagdanand, they take votes from them by showing fear of BJP.

DM flagged off Rabi Awareness 'Rath'

BNM@MOTIHARI

Under Rabi Mahabhiyan 2024, DM Saurabh Jorwal and District Agriculture Officer Manish Kumar Singh flagged off the farmer awareness vehicle on Wednesday. Awareness chariot will visit all the blocks of East Champaran district and will inform the farmers about the Rabi-related schemes through display. Along with this, technical information about the Agricultural Mechanization Scheme, Horticulture Development Scheme, Aatma Scheme, Climate Friendly Farming and Rabi Crop Seed Distribution will also be provided through the chariot. On this occasion, District Agriculture Officer cum Project Director ATMA Manish Kumar Singh, Deputy Project Director ATMA Dheer Prakash Dheer, Municipal Commissioner Saurabh Suman Yadav, Assistant Director Horticulture Vikas Kumar, Sub-Divisional Agriculture Officer Sadar Prabhat Kumar, Executive Assistant Dhananjay Chaurasia and others were present.

IHM, Hajipur Organised Beauty and Make-up Session

BNM@PATNA

The Institute of Hotel Management, Hajipur (an autonomous body under the Ministry of Tourism, Government of India) successfully organised an exclusive personalised beauty and makeup session for its students on recently. The programme, conducted by experts from beauty treatment company VLCC Patna, aimed at enhancing the beauty skills and confidence of the participants, was well received by the students who eagerly attended the practical training sessions. The session featured professional trainers from beauty treatment company Vandana Luthra Curls & Curls (VLCC) Patna, who provided valuable insights into beauty and makeup techniques. The students learnt step-by-step makeup applications suitable for various occasions and received personal guidance to present a stunning look. The interactive format of the programme allowed the students to practise these techniques and receive personalised feedback from the trainers. Highlighting the importance of such sessions, Mr. Pulak Mandal, Principal, IHM Hajipur said, "We aim to empower our students with skills that will come in handy in both their personal and professional lives. This beauty and makeup session is an important part of our efforts to nurture confident, accomplished individuals ready to excel in the hospitality industry."

MGCU Organised Symposium On Sardar Ballabh Bhai Patel

BNM@MOTIHARI

On the occasion of National Unity Day, Indian Knowledge Tradition Committee, Mahatma Gandhi Central University (MGCU) Motihari organized a seminar on the topic "Role of Sardar Vallabhbhai Patel in the making of modern India". The seminar was organized by Dr. Anjani Kumar Srivastava, Secretary of Indian Knowledge Tradition, under the patronage of the Honorable Vice Chancellor of the University, Prof. Sanjay Srivastava. The keynote address in the seminar was presented by Dr. Vimlesh Kumar, Head of the English Department. The Vice Chancellor of the University, Prof. Sanjay Srivastava, while highlighting the contribution of Sardar Patel through his message, said, "Sardar Patel played an important role in the integration of the nation. The form of India that we are seeing today is his creation. The wisdom with which he merged the princely states into India is a sign of his extraordinary talent and foresight." In his message, the Dean of the Faculty of Humanities and Languages, Prof. Prasundatt Singh, calling Sardar Patel the greatest hero of the integration of the nation, called for following his path. The seminar began with a floral tribute to the portrait of Sardar Vallabhbhai Patel. Dr. Anjani Kumar Srivastava welcomed the people present and threw light on the personality of Sardar Vallabhbhai Patel and his role in nation building. He discussed in detail his role in the merger of Hyderabad and Junagadh princely states and said that if he had been given the opportunity to solve the Kashmir problem, it would have been solved. Dr. Vimlesh Kumar said, "The work that Chandragupta Maurya did in ancient India, the same work was done by Sardar Patel in modern India." Vineet Gaurav, a student of the English department, highlighted the administrative contribution of Sardar Patel. Anurag and Shahryar also discussed Patel ji's personality. On this occasion, the National Unity Pledge was also taken by the participants. The program was conducted very successfully by the researcher Mukesh Kumar of the Hindi Department. The vote of thanks to the participants was given by the researcher Vikas Kumar.

Chief Spokesperson of RLMO Ram Pukar Sinha Became a Member of NDA Media Coordination Group

MOTIHARI: National President of Rashtriya Lok Morcha, Rajya Sabha MP and former Union Minister Government of India Professor Upendra Kushwaha has given consent to the former MLA candidate of Dhaka assembly constituency and chief spokesperson of Rashtriya Lok Morcha Bihar and renowned socialist thinker and writer and resident of Kawaiya of Ghodasahan block Ram Pukar Sinha by sending his name to the national president and state president of BJP, JDU, LJP R and HAM on behalf of his party Rashtriya Lok Morcha in NDA Media Coordination Group at the state level. Along with his name, consent has also been given to the names of three other party leaders. It is known that Mr. Sinha is basically on the political horizon today by making his mark as a journalist and teacher. E x et qui nossitatiusa nonetur, ipsamet a deles eari con re nonsersperum quis sum quo berem facia consequam sit ipsantiaecum fugiasi volorem periossit derum que dit liquo coratem qui se nonseca tibusan demoluptae sanditios iunt esed quam, volut fugit magnam, unt alignihit que volendae nullicia sequatur? Lestis doluptas ut quae simus as acceptaquosam sequi as mi, officiist odiae. In prestor aersperias quatiae dit laut aut harciet et voluptat alicientiam qui tempori atiberi onsectus quam qui delenia nostorio blaciam es si ut eturia di voluptatem fugit voluptas is dolores desequi doles quamustibus, incta denia vel mo te labo. Itas ab ipsandande eos dolores et volor re quost, tem lam harum rerro con etur sit accum isquo vere nonsed ut idus aut iusciur, ape nations editatque offictum aciliquia porias et aspit, conem inctus, esci nestiae parumet eaquam aut quaspita dolorion consenim fugiamusam, sam, incient voloruntiam il imped eum, ut dissita sperept ioribus prae ducid magnatur? Amust quodis sint, quae volupti oneces namentur, as aut dolenis volupient quis sequiat asitinihil

Six Including Three Fraudsters Arrested In Sugauli

Mritunjay Pandey

SUGAULI : AS many as Six including three note doubling fraudsters and three employees of a finance company were arrested in Sugauli. On Tuesday, the police took immediate action and caught all of them. According to the information, Mohammad Aftab Alam, a resident of Etwarpur Taj in Bochaha police station of Muzaffarpur district, had lodged an FIR in the police station alleging money being looted. In FIR, he told that Rs. 2.5 lakh was looted on the road. As soon as the FIR was registered, SDPO Motihari Sadar-2 Jitesh Pandey formed a police team and started investigating the case. During the investigation, the police got a link to the alleged case of robbery. The police immediately conducted a raid and took one Haleem Miyan, a resident of Sugauli Nagar Panchayat, into custody with sixteen thousand rupees in cash and a mobile phone. The police's interrogation of Halim Miyan revealed each and every layer of incident one by one. Halim Miyan told the police that Mohammed Aftab, who had lodged the FIR, had given him one lakh rupees to double the money. Based on Haleem's information, the police arrested his nephew Mohammed Ejaz, a resident of Sugauli Nagar Panchayat, and seized twenty-one hundred and fifty rupees and a mobile phone from him. After interrogating both the accused, the police arrested three employees of Arohan Finance Company running in the local market, Mohammad Aftab, who had lodged a false FIR of robbery, Maqbool Alam, a resident of Parsauni police station area of Sitamarhi district, Sumit Kumar, a resident of Bagaha police station area of West Champaran district, and Airtel Payment Bank operator Mohammad Farooq Abdullah. The arrested Mohammad Aftab, accepting his involvement in the case, said that he had given one lakh rupees for doubling the notes. But on not getting double the money back, he lodged a false FIR of robbery. The police have sent all the arrested accused to judicial custody. The team that solved the case included Police Inspector Ashok Pandey of Sugauli police station, Sub Inspector cum Station Head Amit Kumar Singh, Sub Inspector Abhinav Raj, Sub Inspector Rajesh Kumar and armed forces personnel.